वर्ष-3, अंक-304
इन्दौर गुरुवार 30 अप्रैल 2026 पृष्ठ 8,
मूल्य 2 रु.

दैनिक राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761,

चाणक्य नीति

जिसने अपने मन पर विजय प्राप्त कर लिया, वो किसी भी हार से उबरकर फिर से उठ सकता है।

प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

प. बंगाल में दूसरे चरण में 92 प्रतिशत वोटिंग...4 मई को बंगाल, असम, केरलम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में होगी मतगणना...रिकॉर्ड मतदान के बाद एग्जिट पोल के आंकड़ों ने चौंकाया

बंपर मतदान... किसकी बनेगी सरकार

कोलकाता, ईएमएस

प. बंगाल, असम, केरलम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में इस बार रिकॉर्ड मतदान हुआ है। बंगाल में दूसरे चरण का मतदान बुधवार को संपन्न हुआ। इस चरण में भी रिकॉर्ड वोटिंग हुई है। आंकड़ों के अनुसार, प. बंगाल में दूसरे चरण की 142 सीटों पर वोटिंग खत्म हो गई है। यहां 92 प्रतिशत वोटिंग हुई। यह आकंड़ा और बढ़ सकता है। उधर, मतदान खत्म होने के बार एग्जिट पोल के जो आंकड़े आए हैं, वह भी चौंकाने वाले हैं। लेकिन पांचों राज्यों में बंपर मतदान के बाद किसकी सरकार बनेगी इसका फैसला तो 4 मई को मतगणना के बाद ही हो पाएगा।

प. बंगाल में दूसरे चरण के चुनाव में 1400 से अधिक उम्मीदवार मैदान में अपनी किस्मत आजमा रहे थे। इस चरण में ममता बनर्जी और शुभेंदु अधिकारी के बीच मुकाबला सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। इसके अलावा टीएमसी के फिरहाद हकीम, अरूप विश्वास और सुजीत बोस जैसे दिग्गज नेता भी चुनावी मैदान में थे। मतदान खत्म होने के साथ ही नेता अपनी-अपनी पार्टियों के जीत के दावे करने लगे हैं। भाजपा के कल्याणी सीट से प्रत्याशी अनुपम बिश्वास ने कहा कि टीएमसी खत्म हो चुकी है। यह कल की पार्टी है। भाजपा बंगाल में सरकार बनाएगी। हम बड़े मार्जिन से जीतेंगे। कमरहटी विधानसभा क्षेत्र से मदन मित्रा ने कहा कि अगर हम जीतते हैं, तो इसका सबसे बड़ा श्रेय हम ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी को देंगे, जो तूफान के सामने भी डटे रहे, टीएमसी 200 से ज़्यादा सीटें जीतेगी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि हमें मिल रही जानकारी के अनुसार भाजपा पश्चिम बंगाल में हार रही है। हम 2/3 बहुमत से सरकार बनाने जा रहे हैं।

पश्चिम बंगाल के आंकड़ों ने चौंकाया

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मतदान संपन्न होते ही कयासों का दौर शुरू हो गया है। एग्जिट पोल के आंकड़ों ने राज्य की राजनीति में भूचाल ला दिया है। इन आंकड़ों के मुताबिक, बंगाल में इस बार सत्ता परिवर्तन के प्रबल संकेत मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस के किले में भाजपा बड़ी सेंध लगाती दिख रही है। मैट्रिज के सर्वे के अनुसार, पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी 146 से 161 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत हासिल कर सकती है। राज्य में सरकार बनाने के लिए 148 सीटों की आवश्यकता होती है। ऐसे में भाजपा इस जादुई आंकड़े को पार करती नजर आ रही है। पार्टी के पक्ष में 42.5 वोट शेयर जाने का अनुमान जताया गया है। यह आंकड़ा भाजपा के लिए अब तक का सबसे शानदार प्रदर्शन साबित हो सकता है। दूसरी ओर, सत्ताधारी टीएमसी को तगड़ा झटका लगता दिख रहा है। मैट्रिज सर्वे के मुताबिक, ममता बनर्जी को 125 से 140 सीटों के बीच संतोष करना पड़ सकता है। टीएमसी का वोट शेयर भी भाजपा से पिछड़कर 40.8 पर सिमटने का अनुमान है।

केरलम में यूडीएफ की सरकार का अनुमान

केरलम विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल के आंकड़े सामने आने के बाद केरल की राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। विभिन्न एजेंसियों के सर्वे इस बात की ओर इशारा कर रहे हैं कि इस बार राज्य में सत्ता परिवर्तन हो सकता है और कांग्रेस नेतृत्व वाला यूडीएफ गठबंधन बढ़त बनाता दिख रहा है। एग्जिट पोल के मुताबिक, मैट्रिज के सर्वे में यूडीएफ को 70-75 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि एलडीएफ 60-65 सीटों पर सिमट सकता है। पीपल्स पल्स के आंकड़े थोड़ी अलग तस्वीर पेश करते हैं, जहां एलडीएफ को 75-85 सीटें और यूडीएफ को 55-65 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है।

असम में भाजपा को भारी बढ़त

असम विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल के नतीजों ने राज्य की सियासत की तस्वीर काफी हद तक साफ कर दी है। विभिन्न एजेंसियों के सर्वे में भाजपा और उसके सहयोगी दलों को स्पष्ट बहुमत मिलता दिखाई दे रहा है। सात प्रमुख एग्जिट पोल के औसत रुझानों में भाजपा गठबंधन को 80 से 100 सीटों के बीच बढ़त मिलती दिख रही है, जो सरकार बनाने के लिए पर्याप्त है। मैट्रिज के सर्वे के अनुसार, भाजपा को 85 से 95 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि कांग्रेस गठबंधन 25 से 32 सीटों तक सीमित रह सकता है। अन्य दलों को 6 से 12 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है। वहीं आजतक एक्सिस माय इंडिया ने भाजपा को और मजबूत स्थिति में दिखाते हुए 88 से 100 सीटें मिलने का अनुमान लगाया है, जबकि कांग्रेस को 24 से 36 सीटें मिल सकती हैं। अन्य एग्जिट पोल एजेंसियों के आंकड़े भी इसी ट्रेंड की पुष्टि करते हैं।

तमिलनाडु में फिर डीएमके

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के बहुप्रतीक्षित एग्जिट पोल के नतीजे जारी कर दिए गए हैं। प्रमुख चुनाव सर्वेक्षण एजेंसियों पीपुल्स पल्स और मैट्रिज समेत लगभग सभी एजेंसियों के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में सत्ताधारी द्रमुक (डीएमके) के नेतृत्व वाला गठबंधन एक बार फिर पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाता हुआ दिखाई दे रहा है। इसके साथ ही, राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में नई पार्टी टीवीके एक महत्वपूर्ण ताकत बनकर उभरती दिख रही है। पीपुल्स पल्स के एग्जिट पोल के अनुसार, सत्तारूढ़ गठबंधन को जनता का स्पष्ट समर्थन मिलता दिख रहा है। द्रमुक नीत गठबंधन को 125 से 145 सीटें हासिल कर बहुमत का आंकड़ा आसानी से पार करने का अनुमान है। अन्नाद्रमुक नीत गठबंधन मुख्य विपक्षी गठबंधन को 65 से 80 सीटों के बीच संतोष करना पड़ सकता है। टीवीके पार्टी 18 से 24 सीटों के साथ चुनाव में एक बड़ा उलटफेर कर सकती है। अन्य के खाते में 2 से 6 सीटें जाने की संभावना है।

असम एग्जिट पोल

एजेंसी	भाजपा+	कांग्रेस+	अन्य
मैट्रिज	85-95	25-32	6-12
आजतक	88-100	24-36	00
जेवीसी	88-101	23-33	2-5
पीपल्स	83-91	23-31	3-5
पोल डायरी	86-101	15-26	00

पुदुचेरी एग्जिट पोल

एजेंसी	एनडीए		कांग्रेस+	टीवीके+
पीपल्स	16-19	10-12	0-0	1-2
माय इंडिया	16-20	6-8	-	3-7
प्रजा पोल	19-25	6-10	0-0	0-0
कामाख्या	17-24	4-7	1-2	01
जेवीसी	15-17	11-13	1-2	0-1

पुदुचेरी में एनडीए गठबंधन

पुदुचेरी विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल में एनडीए गठबंधन ने पूरी तरह से बाजी मार ली है। बंगाल में जहां पांच एग्जिट पोल्स में भाजपा आगे है, वहीं पुदुचेरी के सभी पांच प्रमुख सर्वे में एनडीए भारी बहुमत के साथ सरकार बनाता दिख रहा है। प्रजा पोल और कामाख्या एनालिटिक्स के अनुमानों के अनुसार तो एनडीए 20 से ज्यादा सीटें जीत सकता है।

पं बंगाल एग्जिट पोल

एजेंसी	टीएमसी+	भाजपा	अन्य
मैट्रिज	125-140	146-161	6-10
पोल डायरी	99-127	142-171	5-9
चाणक्य स्ट्रैटजीज	130-140	150-160	6-10
प्रजा पोल	85-110	178-208	0-0
पीपल्स पल्स	177-187	95-110	1-4
पी-मारक्यू	118-138	150-175	2-6
जनमत पोल्स	195-205	80-90	4-9
जेवीसी	131-152	138-159	2-4

तमिलनाडु एग्जिट पोल

एजेंसी	द्रमुक+	एनडीए	टीवीके	अन्य
मैट्रिज	122-132	87-100	10-12	0-6
पीपल्स	125-145	65-80	18-24	2-6
चाणक्य	145-160	50-65	-	18-26
प्रजा पोल	148-168	61-81	-	1-9
पी-मारक्यू	125-145	65-85	16-26	1-6
जेवीसी	75-95	128-147	8-15	-
इन्साइट	120-140	60-70	30-40	0-4
कामाख्या	78-95	68-84	67-81	-

केरलम एग्जिट पोल

एजेंसी	एलडीएफ	यूडीएफ	भाजपा+	अन्य
मैट्रिज	60-65	70-75	3-5	2-4
पीपल्स पल्स	75-85	55-65	0-3	0-0
जेवीसी	52-61	72-84	3-7	0-0
माय इंडिया	49-62	78-90	0-3	0-0
वोट वाइब	58-68	70-80	0-0	0-4
पी-मारक्यू	62-69	71-79	1-4	0-3
इनसाइट	58-68	66-76	10-14	0-1
चाणक्य	58-64	72-80	-	3-7

रॉयटर्स-इप्सोस के ताजा सर्वे में खुलासा... अमेरिकी राष्ट्रपति की लोकप्रियता धड़ाम

ट्रंप के काम से खुश नहीं 66 प्रतिशत अमेरिकी

वाशिंगटन, ईएमएस। अमेरिका में बढ़ती महंगाई और ईरान के साथ युद्ध का असर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की लोकप्रियता पर दिख रहा है। रॉयटर्स-इप्सोस के ताजा सर्वे के मुताबिक अमेरिका के 66 प्रतिशत लोग डोनाल्ड ट्रम्प के काम से खुश नहीं हैं। यानी केवल 34 प्रतिशत अमेरिकी उनके काम से संतुष्ट हैं। यह उनके मौजूदा कार्यकाल का सबसे निचला स्तर है। जनवरी 2025 में पद संभालते समय उन्हें 47 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला था। इसके बाद यह लगातार घटता गया। महंगाई इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह बन रही है। सर्वे में सिर्फ 22 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे बढ़ती कीमतों को संभालने के तरीके से खुश हैं। पेट्रोल की कीमतों ने लोगों की चिंता बढ़ाई है। फरवरी के अंत में शुरू हुए युद्ध के बाद ईंधन 40 प्रतिशत से ज्यादा महंगा हो गया, जिसका असर सीधे घरेलू बजट पर पड़ रहा है।

अर्थव्यवस्था में गिरावट

अर्थव्यवस्था को लेकर ट्रम्प की रेटिंग 27 प्रतिशत रह गई है, जो उनके पहले कार्यकाल से कम है। ईरान के साथ संघर्ष पर 34 प्रतिशत लोग उनका समर्थन कर रहे हैं। रिपब्लिकन समर्थक अब भी उनके साथ हैं लेकिन पार्टी के भीतर महंगाई को लेकर असंतोष बढ़ रहा है। निर्दलीय वोटरों का झुकाव अब डेमोक्रेट्स की ओर नजर आ रहा है, जो आने वाले चुनावों में अहम साबित हो सकता है।

बदलेगा फ्यूल गेम... सरकार ने जारी किया ड्राफ्ट नोटिफिकेशन

अब पेट्रोल में 85 % एथेनॉल!

नई दिल्ली, ईएमएस। देश में पेट्रोल की बढ़ती कीमतों और आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए सरकार अब बड़ा कदम उठाने जा रही है। केंद्र सरकार ने एक ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी किया है, जिसमें पेट्रोल में ज्यादा मात्रा में एथेनॉल मिलाने के नियमों को शामिल करने का प्रस्ताव रखा गया है। अगर यह लागू होता है, तो आने वाले समय में गाड़ियां पूरी तरह एथेनॉल से भी चलेंगी। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने नया ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी किया है। ड्राफ्ट नियमों में ई85 फ्यूल को शामिल करने का प्रावधान किया गया है, जिसमें पेट्रोल में 85 प्रतिशत तक एथेनॉल मिलाया जाएगा। इसके अलावा ई100 का भी प्रस्ताव है, यानी गाड़ियां पूरी तरह एथेनॉल पर चल सकेंगी। यह बदलाव भारत के फ्यूल सिस्टम में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। अब तक ई20 पेट्रोल को लेकर चर्चा होती रही है, जिसमें पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल की ब्लेंडिंग की जाती है। सरकार ने इस ड्राफ्ट नोटिफिकेशन को फिलहाल पब्लिक कमेंट के लिए जारी किया है। यानी आम लोग और इंडस्ट्री से जुड़े लोग अपनी राय दे सकते हैं। सभी सुझाव मिलने के बाद सरकार अंतिम फैसला लेगी। गौरतलब है कि पिछले साल अप्रैल में देशभर में ई20 फ्यूल लागू किया गया था, जिसमें पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाया गया। अब सरकार इससे आगे बढ़ते हुए और ज्यादा ब्लेंडिंग की दिशा में कदम बढ़ा रही है। सरकार का मुख्य उद्देश्य पेट्रोलियम उत्पादों के आयात को कम करना है। ज्यादा एथेनॉल मिलाने से कच्चे तेल की जरूरत घटेगी, जिससे देश को आर्थिक फायदा होगा और पर्यावरण पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा। ड्राफ्ट में फ्यूल की नई कैटेगरी तय करने का भी प्रस्ताव है। जैसे पेट्रोल की पहचान अब ई10/ई से बदलकर ई10/ई20 की जाएगी। साथ ही ई85 और ई100 को भी आधिकारिक रूप से नियमों में शामिल किया जाएगा। इसी तरह बायोडीजल को बी10 से बढ़ाकर बी100 तक अपडेट करने का प्रस्ताव है। अगर ये नियम लागू होते हैं, तो आने वाले समय में लोगों को नए तरह के फ्यूल ऑप्शन मिलेंगे। हालांकि इसके लिए गाड़ियों में भी बदलाव जरूरी होगा, ताकि वे हाई एथेनॉल ब्लेंड पर सही तरीके से चल सकें। यह बदलाव धीरे-धीरे लागू होगा, लेकिन इससे देश के फ्यूल सिस्टम में बड़ा परिवर्तन देखने को मिल सकता है।

गडकरी पहले ही कर चुके हैं अलर्ट

केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बीते कल दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा था कि, आने वाले समय में इन ट्रेडिशनल फ्यूल (पेट्रोल-डीजल) पर चलने वाली गाड़ियों का कोई भविष्य नहीं है। गडकरी ने वाहन निर्माता कंपनियों से अपील की कि, वे जल्द से जल्द बायोफ्यूल और अन्य वैकल्पिक फ्यूल की तरफ शिफ्ट करें। उनका कहना है कि पेट्रोल और डीजल न सिर्फ महंगे हैं बल्कि ये देश के लिए गंभीर समस्या भी बनते जा रहे हैं।

केजरीवाल को जारी किया गया नया नोटिस

नई दिल्ली, ईएमएस। दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को आप चीफ अरविंद केजरीवाल को श्रष्ठ की अर्जी पर नया नोटिस जारी किया। ईडी ने एक्साइज पॉलिसी मामले में समन जारी होने के बावजूद एजेंसी के सामने पेश न होने के लिए केजरीवाल के खिलाफ दर्ज दो अलग-अलग मामलों में उन्हें बरी किए जाने को चुनौती दी है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने कहा कि रजिस्ट्री के अनुसार,केजरीवाल को जारी किया गया पिछ्ला नोटिस सर्व नहीं किया गया था। जांच एजेंसी के वकील ने कहा कि केजरीवाल को 1 अप्रैल को नोटिस जारी किया गया था, लेकिन उनकी तरफ से किसी ने भी पेश होने के लिए एंट्री नहीं दी है।

सबरीमाला मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट बोला...

सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं कर सकते

हम इस देश की सभ्यता और धार्मिक इतिहास नहीं भूल सकते

नई दिल्ली, ईएमएस। केरलम के सबरीमाला मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई।

कोर्ट ने एडवोकेट इंदिरा जयसिंह की दलीलों के जवाब में कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता। एडवोकेट जयसिंह ने सुनवाई के 10वें दिन कहा कि सबरीमाला मंदिर में एंट्री का फैसला अब भी लागू है। इस पर स्टे नहीं है लेकिन मंदिर में प्रवेश नहीं मिल रहा है। जयसिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट इसकी रिव्यू पिटिशन पर सुनवाई कर रहा है। हालांकि, कोर्ट कभी यह तय नहीं करता कि धर्म में क्या जरूरी है या और क्या नहीं। इसका फैसला तो धर्म ही करता है।

विधायक सप्रे दलबदल केस पर हाईकोर्ट सख्त, चीफ जस्टिस बोले...

90 दिन की समय सीमा, 720 दिन में फैसला क्यों नहीं?

जबलपुर, ईएमएस। सागर जिले की बीना सीट से विधायक निर्मला सप्रे के खिलाफ दलबदल मामले में हाईकोर्ट में दायर याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने विधायकी शून्य करने की मांग पर पक्षों से जवाब मांगा।

सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कोर्ट को बताया कि मामले की विधिवत सुनवाई विधानसभा स्पीकर द्वारा की जा रही है और उमंग सिंघार द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों की जांच की प्रक्रिया जारी है। इस पर चीफ जस्टिस संजीव कुमार सचदेवा ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि दलबदल मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने 90 दिनों के भीतर निर्णय देने की समय सीमा तय की है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब समय सीमा 90 दिन है, तो 720 दिनों में भी मामले का निराकरण क्यों नहीं हो पाया। चीफ जस्टिस ने महाधिवक्ता से कहा कि वे सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन स्पीकर के संज्ञान में लाएं। वहीं उमंग सिंघार के वकील विभोर खंडेलवाल ने भी मांग की कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय 90 दिन की समय सीमा का पालन सुनिश्चित किया जाए। मामले में हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 18 जून की तारीख तय की है।

शेयर बाजार में हरियाली, सेंसेक्स 609 अंक चढ़कर बंद हुआ, निफ्टी 24150 के पार

निवेशकों ने कमाए 2 लाख करोड़

मुंबई, ईएमएस। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार में शानदार रिकवरी देखने को मिली है। शुरुआती कारोबार में भारी उछाल के बाद, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के दबाव के बावजूद दोनों प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। इस रिकवरी से निवेशकों को बड़ा फायदा हुआ है और बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में लगभग 2 लाख करोड़ रुपये की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे यह आंकड़ा बढ़कर 469 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। शेयर बाजार में बुधवार को बढ़त रही। सेंसेक्स 609 अंक (0.79 प्रतिशत) की तेजी के साथ 77,496 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 182 अंक की तेजी रही, ये 24,178 पर बंद हुआ। ऑटो, आईटी, रियल्टी और एफएमसीजी शेयर्स में ज्यादा खरीदारी रही।

3 कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नहीं मिली जमानत अगली पेशी 12 मई को

सीजीएम को बयान दर्ज करने के निर्देश

जबलपुर, ईएमएस। तीन कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी पर दायर याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने सुनवाई के पश्चात सीजेएम को आदेश दिया है। वह गिरफ्तार आरोपियों के बयान दर्ज करे। अगली पेशी में संबंधित अधिकारियों को हाईकोर्ट में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। अगली पेशी 12 मई को निर्धारित की गई है।

जयपुर की कोर्ट से तीनों कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जमानत मिल चुकी है। गिरफ्तार आरोपियों का कहना है, उनकी गिरफ्तारी अवैध तरीके से की गई है। याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि गिरफ्तारी प्रक्रिया में नियमों का पालन नहीं किया गया है। यह कार्रवाई राजनीतिक दबाव में की गई है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राज्य सरकार और संबंधित एजेंसियों से जवाब मांगा है। अदालत ने पूछा है, किन परिस्थितियों में गिरफ्तारी की गई है। क्या सभी कानूनी प्रावधानों का पालन हुआ है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है, नागरिकों के मौलिक अधिकारों का संरक्षण सर्वोपरि है। सरकार की ओर से कहा गया कि गिरफ्तारी कानून के तहत और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर की गई है। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मामले की अगली सुनवाई की तारीख 12 मई तय की है। विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है।

कलेक्टर- कमिश्नर के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग में मुख्य सचिव ने अफसरों को दी हिदायत...

खरीदी केंद्रों का निरीक्षण करेंगे सीएम, लापरवाही पड़ेगी भारी

भोपाल, ईएमएस

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने बुधवार को कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों, कमिश्नरों, आईजी रैंक के अफसरों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग की। मीटिंग में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव अगले दो तीन दिनों में प्रदेश के किसी भी जिले में खरीदी केंद्र का औचक निरीक्षण कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से औचक निरीक्षण के लिए पहुंचेंगे और खरीदी केंद्र की सुविधाओं की जानकारी लेने के साथ किसानों के साथ संवाद भी करेंगे कि सरकार द्वारा तय सुविधाओं का लाभ उन्हें मिल रहा है या नहीं मिल रहा है। इसके चलते सभी कलेक्टरों को आगाह किया गया है कि वे अपने जिले में खरीदी केंद्रों की व्यवस्था का मॉनिटरिंग करें ताकि किसी तरह की लापरवाही की स्थिति सामने न आए। मुख्यमंत्री यादव के हेलीकॉप्टर के औचक किसी भी जिले में उतरने की सूचना कलेक्टरों को किसी और ने नहीं बल्कि प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने दी है। दरअसल किसानों से गेहूं खरीदी को लेकर मिल रही शिकायतों और किसानों के गुस्से की खबर को लेकर राज्य सरकार काफी सतर्क है।

स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति सुधारने कलेक्टर ब्लॉक लेवल मीटिंग करें

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कलेक्टरों से कहा है कि प्रदेश में स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति में सुधार की जरूरत है। यहां अपेक्षित सुविधाएं देने के लिए कलेक्टरों को स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण करना है और ब्लॉक लेवल पर इससे संबंधित बैठकें करके लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं दिलाने के लिए काम करना होगा। कलेक्टरों से उन्होंने कहा है कि फील्ड विजिट करें और स्वास्थ्य केंद्रों की रिपोर्ट लें ताकि ग्रामीण और शहरी मरीजों को स्वास्थ्य सेवा का लाभ मिलता रहे।

बालिका शौचालय बने, पर पानी नहीं मिलने की शिकायत

मुख्य सचिव ने कलेक्टरों से यह भी कहा है कि गांवों में स्कूलों में बालिका शौचालय तो बन गए हैं पर कई जिलों से रिपोर्ट आई है कि शौचालयों में पानी और साफ सफाई का भारी अभाव है। इसलिए कलेक्टर स्कूल शिक्षा विभाग के अफसरों के साथ बैठक कर यहां साफ सफाई और पानी का इंतजाम कराएं। समय समय पर स्कूलों का निरीक्षण कर उसकी फिजिकल स्थिति खुद भी देखने का काम करें। मुख्य सचिव ने यह भी कहा कि अभी भीषण गर्मी का दौर है और गांवों में पानी की दिक्क त हो सकती है। पेयजल परिवहन अभी नहीं हो रहा है लेकिन ग्रामीण इलाकों की स्थिति की जानकारी लेते रहें और लोगों को पानी के संकट की सूचना पर सुविधा देने का काम कराएं।

संपादकीय

सत्ता की सवारी करना जानते हैं मोदी

» विधायिका, कार्य पालिका, न्याय पालिका पर है खास पकड़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2001 में पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उसके बाद से सत्ता को किस तरह से नियंत्रित किया जा सकता है, दिखला दिया। सत्ता और नौकरशाही पर मोदी ने अपनी मजबूत पकड़ बनाते हुए, 2001 से लेकर 2026 तक का जो राजनीतिक सफर पूरा किया है, उसे देखते हुए यह कहा जा सकता है, भारत में उनके मुकाबले का कोई ऐसा राजनेता नहीं देखने में आया जिसने सत्ता की सवारी इस तरह से की हो। इसके पहले स्वतंत्र भारत में कोई नहीं कर पाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर विषम परिस्थितियों में सत्ता के उन सभी घोडों को नियंत्रित करने में सफलता हासिल की, जिनको नियंत्रित करना आमतौर पर उसके पहले के किसी भी प्रधानमंत्री के लिए संभव नहीं हुआ। गुजरात का मुख्यमंत्री बनने के बाद गोधरा कांड हुआ था। जिसमें उनकी कुर्सी खतरे में पड़ी थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई को कहना पड़ा था, मोदी जी राज धर्म का पालन करें। उस विषम परिस्थितियों से नरेंद्र मोदी अपने आपको बाहर निकलने में सफल रहे। 2002 का विधानसभा चुनाव जीतने के बाद उन्होंने कभी मुड़कर नहीं देखा।

गुजरात में उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री केशू भाई पटेल और शंकर सिंह बघेला को घर बिठाकर अपनी ताकत का एहसास कराया था। लोकतांत्रिक व्यवस्था में रहते हुए संघीय और केंद्रीय व्यवस्था को कब कैसे नियंत्रित किया जा सकता है, यह उन्होंने गुजरात से जाना। नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप यह भी जाना कि किस तरह से विपक्षी दलों के नेताओं का कैसे उपयोग करना है। कार्यपालिका, न्यायपालिका, पार्टी संगठन और विपक्षी दलों के नेताओं को किस तरह से काबू करना है, या अपने पाले में लाना है। यह किसी से छिपा नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नोटबंदी लागू करके विपक्ष को एक ही झटके में सड़क पर लाकर खड़ा कर दिया था। काला धन तो वापस नहीं आया। नोटबंदी के कारण उन्होंने उस दौरान के अधिकांश राज्यों के चुनाव और लोकसभा जीत लिया। विपक्ष को पैसे-पैसे के लिए तरसा दिया। समय बीता, अब कोई भी आदमी नोटबंदी लागू होने के बाद काला धन और आतंकवाद खत्म होने की बात नहीं करता है। कुछ इसी तरह से उन्होंने जीएसटी कानून लागू किया। उसका उत्सव मनाया। देखते ही देखते राज्यों और केंद्र के राजस्व में कई गुना इजाफा कर लिया। आम जनता के ऊपर भारी टैक्स लगा, लेकिन जनता ने ताली बजाकर स्वागत किया। प्रधानमंत्री के रूप में मोदी ने जो भी निर्णय लिए उसका कितना भी विरोध हो, उन्होंने बिना डरे उसका मुकाबला जिस तरह से किया, यह नरेंद्र मोदी से अच्छा और कोई नहीं जानता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी जिस विचारधारा को लेकर राजनीति करती थी। उस विचारधारा के विपरीत लोगों को जिस तरह से उन्होंने भाजपा में शामिल किया। सत्ता में उन्हें भागीदार बनाया।

कई राज्यों में भाजपा की डबल इंजन की सरकारें बनाई। गुजरात और दिल्ली में उन्होंने जिस तरह से नौकरशाही और न्यायपालिका के साथ बिना टकराव उन पर सवारी करने में सफलता हासिल की। जांच एजेंसियों का उपयोग उन्होंने अपनी ताकत बढ़ाने, विपक्षियों को समाप्त करने, में जिस तरह से किया है। आज उसकी प्रशंसा सारी दुनिया में हो रही है। भाजपा संगठन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में जो पकड़ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वर्तमान में है। इसके पहले कभी किसी भी संगठन प्रमुख की ऐसी पकड़ जनसंघ, भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मे देखने को नहीं मिली। पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी जिनके पास लोकसभा में दो तिहाई बहुमत था, वह भी जो ताकत हासिल नहीं कर पाए थे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उस ताकत का एहसास सारे देश को करा दिया है। कार्यपालिका और न्यायपालिका सरकार के अनुकूल काम करती हुई दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहले जो टकराव न्यायपालिका और कार्यपालिका का केंद्रीय सत्ता के साथ होता था अब लोग उसे भूल चुके हैं। अब वही होता है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं। कार्यपालिका और न्यायपालिका उनके इशारे पर काम करती है।

मंत्रिमंडल पर उनका एकाधिकार है। पार्टी संगठन में एकाधिकार है। कहीं से भी उन्हें कोई चुनौती देता हुआ नजर नहीं आता है। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चर्चा न केवल भारत में होती है वरन उनकी चर्चा वैश्विक धरातल पर होने लगी है। लोकतंत्र में वह एक ऐसे मॉडल बनकर सामने आए हैं, जिसे अमेरिका के राष्ट्रपति और अन्य कई देशों के रास्ट्राध्यक्षों ने भी अपना रोल मॉडल बना लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक ही लक्ष्य होता है सत्ता में उनकी 100 फ़ीसदी पकड़ होनी चाहिए। साथ ही चुनाव में उनकी जीत कैसे होगी, इसके लिए वह निरंतर काम करते हुए अपनी पकड़ को मजबूत रखते हैं। साम-दाम-दंड-भेद का प्रयोग करते हुए सत्ता में अपनी ताकत बनाए रखने का कोई अवसर नहीं छोड़ते हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में शासक के रूप में जिस तरह से वह हमेशा अपनी जीत के लिए काम करते हैं, जो जीता वही सिकंदर की कहावत को चरितार्थ करते हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में सत्ता के 25 वर्षों में सत्ता की सवारी कैसे की जाती है वह आज वैश्विक स्तर पर मॉडल बनकर उभरे हैं। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप को भी पछाड़ दिया है। जिसके कारण वैश्विक स्तर पर चर्चाओं में है।

सनत जैन

राज काज

इसे कहते हैं सम्राट का भाग्य

बिहार के मुख्यमंत्री अब सम्राट चौधरी बन गए हैं। यह वही सम्राट चौधरी हैं। जिन्होंने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से हटाने की शपथ ली थी। भाग्य देखें, नीतीश कुमार ने ही सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री के पद पर पहुंचा दिया। सम्राट चौधरी अग्नि परीक्षा में पास हो गए हैं। सदन मे उन्हें बहुमत मिल गया है। तेजस्वी कह रहे थे, सत्ता किसी की बपौति नहीं है। यदि बपोती होती तो तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनते। भाग्य तो सम्राट चौधरी का था, वह अपने भाग्य से मुख्यमंत्री बन गए हैं। वाप्त के कारण नहीं बने हैं।

एक बेचारी ममता, जिसे हराने सभी महारथी जुटे

स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार पश्चिम बंगाल के चुनाव में एक अबला नारी से लड़ने के लिए सारे महारथी और सारी संवैधानिक संस्थाएं मैदान में हैं। मीडिया भी ममता बनर्जी के खिलाफ है। नारी आरक्षण के नाम पर नारी का ही चीरहरण करने सब बंगाल के चुनाव मैदान में हैं। संसद का विशेष सत्र बुला लिया। सुप्रीम कोर्ट, ईडी, चुनाव आयोग, केंद्रीय सुरक्षा बल के लाखों जवान, केंद्र की सभी संवैधानिक संस्थाएं, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, दर्जनों मुख्यमंत्री एक अबला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से लड़ रहे हैं। वह भी बंगाल मे, जहां महाकाली की पूजा होती है।

ईस्ट इंडिया कंपनी के वंशजों और ममता के बीच चुनाव

इस बार पश्चिम बंगाल का चुनाव लोगों को ईस्ट इंडिया कंपनी और अंग्रेजों की याद दिला रहा है। जब ईस्ट इंडिया कंपनी और अंग्रेजों का राज था। उस समय उनकी सेवा में जो लोग लगे हुए थे। गुलामी के समय जिनकी सत्ता थी। जो स्वतंत्रता सेनानियों के खिलाफ काम कर रहे थे। वही राष्ट्रभक्ति के नाम पर भेष बदलकर फिर सत्ता में कब्जा करने के लिए आ गए हैं। पहले की तरह हिंदू मुसलमान कर रहे हैं। इस चुनाव में सबसे ज्यादा चर्चा ईस्ट इंडिया कंपनी, अंग्रेजों के शासन, स्वतंत्रता आंदोलन की याद में लड़ा जा रहा है। इसमें जीत किसकी होती है।

दुनिया में सैन्य खर्च बढ़ा, भारत पांचवें स्थान पर

सुनील कुमार महला

दुनिया के देश अपने रक्षा बजट या यूं कहें कि सैन्य खर्च में अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी कर रहे हैं। वास्तव में, आज के समय में दुनिया भर में सैन्य खर्च कई कारणों से तेजी से बढ़ रहा है। प्रमुख कारणों की यदि हम यहां पर बात करें तो भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध(रूस-यूक्रेन युद्ध), इजरायल हमास युद्ध, दक्षिण चीन सागर जैसे संघर्षों ने देशों को सुरक्षा पर अधिक खर्च करने के लिए प्रेरित किया है। पड़ोसी देशों की प्रतिस्पर्धा (जैसे कि भारत, चीन और पाकिस्तान जैसे देशों की आपसी प्रतिस्पर्धा) भी इसके लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार है।ये देश अपने सामरिक संतुलन बनाए रखने के क्रम में अपने सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी कर रहे हैं।सरल शब्दों में कहें तो जब एक देश हथियार खरीदता है, तो पड़ोसी देश भी अपनी सेना मजबूत करने लगते हैं। इसे हथियारों की दौड़ कहा जाता है। नई तकनीक और आधुनिक हथियार भी एक प्रमुख कारण बनकर उभरा है। पिछले कुछ समय से ड्रोन, साइबर सुरक्षा, मिसाइल रक्षा प्रणाली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित हथियार, अंतरिक्ष रक्षा आदि पर भारी निवेश हो रहा है।

जैसा कि आधुनिक युद्ध अब केवल सैनिकों से नहीं, तकनीक से भी लड़ा जाता है। आज आतंकवाद और आंतरिक सुरक्षा खतरों जैसे घुसपैठ, नशीले पदार्थों की तस्करी आदि के कारण भी दुनिया के विभिन्न देशों ने अपने सैन्य खर्च में

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की ताजा रिपोर्ट-2025

बढ़ोत्तरी की है।वैश्विक शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा ने भी सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी को जन्म दिया है।सच तो यह है कि आज के समय में चीन, अमेरिका और रूस जैसे शक्तिशाली देश अपनी सैन्य शक्ति दिखाकर विश्व राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहते हैं। इतना ही नहीं, आज हथियार उद्योग कई देशों की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा है।

रक्षा सौदों से रोजगार, निर्यात और तकनीकी विकास भी जुड़ा होता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि वर्तमान समय में सैन्य खर्च बढ़ना केवल युद्ध की तैयारी नहीं, बल्कि सुरक्षा, शक्ति संतुलन, तकनीकी बढ़त और राजनीतिक प्रभाव का भी संकेत है। लेकिन अत्यधिक सैन्य खर्च से शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास क्षेत्रों पर दबाव भी बढ़ सकता है।

इस क्रम में हाल ही में एक प्रतिष्ठित न्यूज एजेंसी के हवाले से यह खबरें आई हैं कि भारत का रक्षा खर्च 8.9% बढ़ा, और भारत 5वां सबसे अधिक सैन्य खर्च वाला देश बन गया है। दरअसल, हाल ही में आई सिपरी की रिपोर्ट के अनुसार यह जानकारी सामने आई है कि वैश्विक सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर पार कर चुका है और भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश बन गया है। रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2025 में भारत का सैन्य खर्च 8.9 प्रतिशत बढ़कर 92.1 अरब डॉलर हो गया। गौरतलब है कि स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में वैश्विक सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर तक पहुंच गया।बड़ी बात यह है कि यह लगातार 11वां साल है, जब वैश्विक सैन्य खर्च में वृद्धि दर्ज की गई है। पाठकों को बताता चलूं कि सबसे ज्यादा खर्च करने वाले पांच देशों में अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत शामिल हैं, जिनका वैश्विक खर्च में कुल योगदान 58 प्रतिशत है। सरल शब्दों में कहें तो सेना पर सर्वाधिक खर्च करने वाले देशों में अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी आज दुनिया में सबसे आगे पहुंच चुके हैं।

आस्था, आधुनिकता व आत्म निर्भरता की पटरी पर दौड़ता 'नव काशी-भव्य काशी'

विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला'

प्रधानमंत्री का वाराणसी दौरा—विकास की सौगात, गंगा एक्सप्रेसवे का विस्तार और अमृत भारत एक्सप्रेस के रूप में नई गति का संकल्प जब भी काशी की बात होती है, तो यह केवल एक शहर नहीं, बल्कि समय, संस्कृति और चेतना का अनंत प्रवाह प्रतीत होता है।यहाँ हर क्षण में इतिहास की गूंज है और हर दिशा में भविष्य की संभावनाएँ। ऐसे ही एक ऐतिहासिक पड़ाव पर एक बार फिर काशी साक्षी बनी, जब देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान विकास और विश्वास की नई इबारत को मूर्त रूप दिया।प्रधानमंत्री ने वाराणसी से अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और इसके साथ ही एक नई गति,नई ऊर्जा और नए भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। अपने उद्बोधन में उन्होंने स्पष्ट कहा कि 'काशी आज केवल आध्यात्मिक नगरी नहीं, बल्कि विकसित भारत के संकल्प की सशक्त धुरी बन चुकी है।यहाँ जो परिवर्तन हो रहा है,वह पूरे देश के लिए प्रेरणा है।' उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारतीय रेल का आधुनिकीकरण केवल गति बढ़ाने का प्रयास नहीं,बल्कि आम नागरिक की सुविधा,सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा हुआ अभियान है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें उन करोड़ों भारतीयों के सपनों को साकार करने का माध्यम हैं,जो कम लागत में बेहतर और सम्मानजनक यात्रा चाहते हैं।यह ट्रेन 'न्यू इंडिया' की उस सोच का प्रतीक है, जहाँ विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का संकल्प सर्वोपरि है।लगभग ?6,350 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास इस बात का सशक्त प्रमाण है कि विकास अब केवल आंकड़ों की भाषा नहीं बोलता, बल्कि जनजीवन की वास्तविक आवश्यकताओं से सीधे जुड़ता है।

वाराणसी में आयोजित महिला सम्मेलन में हजारों महिलाओं की सहभागिता को प्रधानमंत्री ने 'नए भारत की शक्ति' बताते हुए कहा कि नारी सशक्तिकरण ही राष्ट्र सशक्तिकरण का मूल आधार है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को देश की सबसे बड़ी पूंजी बताया।अमृत भारत एक्सप्रेस के शुभारंभ के साथ काशी ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि यह नगरी केवल आध्यात्मिक चेतना की धारा नहीं बहाती, बल्कि विकास की तेज रफ्तार को भी अपने साथ लेकर चलती है।आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह ट्रेन उन यात्रियों के लिए एक नई उम्मीद है,जो सस्ती, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा की आकांक्षा रखते हैं।अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि 'आज का भारत अपनी विरासत पर गर्व करते हुए आधुनिकता की ओर बढ़ रहा है। काशी इसका सबसे जीवंत उदाहरण है,जहाँ परंपरा और प्रगति एक साथ कदमताल कर रही हैं।' इस दौरे के अगले चरण में हरदोई में गंगा एक्सप्रेसवे के उद्घाटन को लेकर भी प्रधानमंत्री ने इसे उत्तर प्रदेश के विकास का 'ग्रोथ इंजन' बताया।लगभग 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे राज्य के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों को जोड़ते हुए आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि यह केवल सड़क नहीं,बल्कि अवसरों का राजमार्ग है,जो किसानों,उद्यमियों और युवाओं के लिए नए द्वार खोलेगा।यदि इन सभी पहलुओं को एक साथ देखा जाए,तो स्पष्ट होता है कि यह दौरा केवल परियोजनाओं का उद्घाटन नहीं,बल्कि एक व्यापक परिवर्तन की निरंतर प्रक्रिया का हिस्सा है। काशी आज उस परिवर्तन का प्रतीक बन चुकी है, जहाँ परंपरा और प्रगति एक-दूसरे के पूरक बनकर उभर रहे हैं। जीवन की यात्रा,रेल की रफ्तार और काशी का साक्षी भाव—यह अनुभव तब और गहरा हो जाता है, जब मैं स्वयं को एक यात्री के रूप में देखता हूँ।रेल की खिड़की से गुजरते दृश्य केवल भौगोलिक नहीं होते वे भीतर की यात्रा को भी गति देते हैं।जब यह यात्रा अयोध्या की ओर बढ़ती है,तो मन स्वतः ही भगवान श्रीराम की मर्यादा,त्याग और आदर्शों से भर उठता है। वहीं काशी पहुँचते ही शिव की मुक्त चेतना का अनुभव होता है।गंगा के तट पर खड़े होकर यह स्पष्ट होता है कि यह यात्रा केवल बाहरी नहीं, बल्कि भीतर की यात्रा भी है। मणिकर्णिका घाट पर जीवन का सत्य सामने आता है—मनुष्य एक यात्री है, जो आया है और आगे बढ़ जाएगा।

सुविचार

सत्य से प्यार करें और गलती को क्षमा कर दें।

- वाल्टेयर

बुद्धिमता की पुस्तक में ईमानदारी सबसे पहला अध्याय है।

- अज्ञात

प्रसंगत

सबसे बड़ा सुख

राजा विक्रमादित्य के राज्य में एक सदाचारी, नेक और ईमानदार पुजारी रहता था। वह बहुत ही निर्धन था। एक दिन वह धन प्राप्ति के उद्देश्य से अपने घर से निकल पड़ा। रास्ते में उसकी मुलाकात एक पहुंचे हुए महात्मा से हुई। पुजारी से बातें करने के बाद महात्मा समझ गए कि यह नेक, ईमानदार व गुणवान है। उन्हीं दिनों विक्रमादित्य अपना राज्य किसी योग्य व्यक्ति को सौंप कर महात्मा के संसर्ग में रहकर शांति से अपना शेष जीवन गुजारना चाहते थे। उन्होंने महात्मा को यह बात बताई हुई थी। महात्मा पुजारी को अपने साथ राजा के पास ले गए और उन्हें सारी बात बताई। महात्मा से पुजारी के बारे में जानकर विक्रमादित्य उसे राज्य सौंपने को तैयार हो गए। पुजारी ने सोचा कि यदि राजा विक्रमादित्य जैसा प्रतापी शासक अपना सब कुछ सौंपकर महात्मा जी के साथ जाना चाहता है, तो इसका अर्थ यह है कि शायद महात्मा के संसर्ग में राज-सुख से भी अधिक सुख प्राप्त होता होगा। वह राजा से बोला, 'महाराज, मैं भला एक मामूली सा व्यक्ति इतना बड़ा राजपाट कैसे संभालूंगा। मुझे तो इसका बिल्कुल भी अनुभव नहीं है। इसके योग्य तो आप ही हैं।' फिर वह महात्मा के पास जाकर बोला, 'गुरुजी, राजा तो राज्य त्यागकर आपके पास आने के लिए उत्सुक हैं।

जरा हटके

मेथाना ज्वालामुखी के सीने में लगातार उबल रहा था मैग्मा

ज्यूरिख (ईएमएस)। ग्रीस का मेथाना ज्वालामुखी पिछले 1 लाख साल से ऊपर से भले ही सतह पर शांत रहा हो, लेकिन इसके सीने के नीचे मैग्मा लगातार उबल रहा था। इसका मतलब है कि जिसे दुनिया खत्म मान चुकी थी, वह अंदर ही अंदर सांस ले रहा था और सक्रिय था। ईटीएच ज्यूरिख के शोधकर्ताओं ने मेथाना के भूगर्भीय इतिहास को खंगाला तो पता चला कि सतह पर चुप्पी के बावजूद, जमीन की गहराइयों में मैग्मा बनने की प्रक्रिया कभी नहीं रुकी थी। इस छिपे हुए सच को जानने के लिए वैज्ञानिकों ने जिरकॉन क्रिस्टल का सहारा लिया। ये सूक्ष्म क्रिस्टल जमीन के नीचे मैग्मा के भंडार में तब बनते हैं जब पिघली हुई चट्टानें ठंडी होती हैं। ईटीएच ज्यूरिख के प्रोफेसर ओलिवियर बाचमैन के अनुसार, ये क्रिस्टल किसी विमान के ब्लैक बॉक्स या फ्लाइट रिकॉर्डर की तरह काम करते हैं। इनमें उस समय की रासायनिक जानकारी और उम्र कैद हो जाती है जब ये बनते हैं। टीम ने पिछले 7 लाख सालों के इतिहास से जुड़े 1,250 से ज्यादा क्रिस्टल की जांच की, जिससे यह साबित हो गया कि ज्वालामुखी सतह को तोड़े बिना भी हजारों सालों तक अंदर ही अंदर सांस ले सकते हैं। यानी, इसकी ऊपरी शांति महज एक भ्रम और धोखा थी। अध्ययन में यह बात साफ हुई है कि मेथाना ज्वालामुखी में मैग्मा बनने की प्रक्रिया लगभग बिना रुके जारी थी।

इतिहास में कुछ ऐसे दौर भी आए जब यह मैग्मा बाहर निकला और विस्फोट हुए, लेकिन सबसे ज्यादा हैरान करने वाला वो 1 लाख साल का समय था जब एक भी विस्फोट दर्ज नहीं किया गया। पहले यह माना जाता था कि इस लंबी खामोशी के दौरान ज्वालामुखी सिस्टम बंद हो गया होगा और निष्क्रिय हो गया होगा। लेकिन जिरकॉन क्रिस्टल की ग्रोथ इसी शांत पीरियड के दौरान सबसे ज्यादा देखी गई। इसका सीधा मतलब यह है कि जब दुनिया को लग रहा था कि ज्वालामुखी मर चुका है, तब वह अंदर सबसे ज्यादा सक्रिय था। वहां मैग्मा का भंडार लगातार बढ़ रहा था और स्थितियां काफी हलचल भरी थीं, जो किसी बड़े विस्फोट की तैयारी का संकेत दे रही थीं। अब सवाल यह उठता है कि अगर इतनी भारी मात्रा में मैग्मा बन रहा था, तो वह बाहर क्यों नहीं आया? वैज्ञानिकों ने इसका कारण मैग्मा का बहुत ज्यादा चिपचिपा होना बताया।

फोटो ऑफ द डे

बांग्लादेश के चटगांव में भारी बारिश के कारण पानी से लबालब भरी एक सड़क से निकलते हुए लोग। -फोटो-ईएमएस

व्यंग

मूर्ख बने रहने का सुख

मयंक सक्सेना

'मुझे क्या पता' का मंत्र जपो, जीवन में सफल रहो : न संतान का... न सम्पत्ति का... न यश का... न श्रेय का... दुनिया में सबसे बड़ा कोई सुख अगर है तो बस मूर्ख बने रहने का सुख है। आप माने न मानें मूर्ख दिखने और बने रहने में (मूर्ख होने में नहीं) जो अदभुत सुख है वो दुनिया के किसी भी विलास-ऐश्वर्य मे नहीं है। मूर्ख दिखने के फायदे तो आपको कई लोग बताएँगे पर आपको बताते हैं कि कैसे बना जाता है मूर्ख और किस तरह से दुनिया भर में तमाम अक्लमंद लोग मूर्ख बन कर मज़े से ज़िंदगी गुज़ार रहे हैं। महँगाई चरम पर है, सरकार मूर्ख बनी बैठी है। कहती है हमें नहीं पता महँगाई कैसे आई, यह भी नहीं पता कैसे जाएगा।. हम तो मूर्ख हैं। अब समझेंगी तो दुख होगा, सो बने रहो मूर्ख ! सीधे सादे आदिवासी कैसे बन गए माओवादी। हमें नहीं पता कैसे बन गए, जा कर उन्हीं से पूछिए, हमें समझ कर क्या करना। समझेंगे तो अपने जुल्मों का, उपेक्षा का, अत्याचारों का हिसाब भी देना पड़ेगा।

सो बने रहो मूर्ख ! महिला आरक्षण बिल राज्यसभा से गिरा तो लोकसभा में अटक गया... नेता जी से पूछा कि क्यों हुआ भई ऐसा... नेताजी बोले... हमें तो पता ही नहीं... लो भई मस्त रहो... बने रहो मूर्ख ! दो दिन पहले तक आयशा सिद्दीकी, शोएब मलिक की आपा थीं... अब उनको तलाक दे दिया... दो दिन में आपा... बेगम बन गई... शोएब बोले हमें नहीं पता। जवाब ढूँढ लेंगे पहले सानिया से निकाह हो जाए... सो बने रहो मूर्ख ! टीवी चैनल दो दिन पहले चिल्ला रहे ते ये शादी नहीं हो सकती... अब कह रहे हैं सानिया तेरी अँखियाँ सुरमेदानी... पब्लिक बोली ऐसा क्यों... रिपोर्टर बोले पता नहीं... बढ़िया है बने रहो मूर्ख !

न्यूज़रूम में आउटपुट हेड चिल्ला रहा है। इतनी ज़रूरी बाइट कैसे मिस हो गई.... कौन कटवा रहा था पैकेज... रनडाउन प्रोड्यूसर कहता है। सर पता नहीं... बच गए... बने रहो मूर्ख ! बहन जी (अपनी यूपी वाली) के गले में किसी ने नोटों की माला डाल दी। ऐसी वैसी नहीं, हज़ार हज़ार के नोटों की। सबने अपनी औकात के हिसाब से कीमत लगाई। किसी ने दस हज़ार तो किसी ने दस करोड़ की बताई... जब अदालत से लेकर एजेंसियों तक सब पूछेंगे कि किसने पहनाई माला, तो बहन जी के साथ उनके चमचे कहेंगे- 'हमें पता ही नहीं।' सही है बने रहो मूर्ख! अफगानिस्तान... ईराक... तबाह हो गए... जहाँ तहाँ देखो बम या तो गिर के फटते हैं... या फट के गिरते हैं... कभी-कभी उसमें आतंकी भी मर जाते हैं... और ज़्यादातर बच्चे और महिलाएं... और जब अंकल सैम से पूछा जाता है कि क्यों भई आपकी फौजें ये क्या कर रही हैं? तो वो अंग्रेज़ी में बुदबुदा देते हैं, ''हमें नहीं पता।'' लगे रहो... बने रहो मूर्ख ! शाबाश !

पिताजी खोपड़ी पर हाथ धरे चीख रहे थे। कलपते हुए हमसे बोले, 'इस बार तो तीन ट्यूशन लगवाई थी। फेल कैसे हो गए।

चिंतन-मनन

सबसे बड़ी दौलत

एक विधवा अध्यापिका के दो बेटे थे। वह उन्हें गुरुकुल में अच्छी शिक्षा दिला रही थी। वह खुद भी अनेक बच्चों को संस्कृत पढ़ाती थी। इससे उसे जो कुछ प्राप्त होता था, उसी से वह अपना जीवनयापन करती थी। उसने अत्यंत गरीबी के दिनों में भी कभी किसी के आगे हाथ नहीं फैलाए। उसके स्वाभिमान को देख अनेक लोग अध्यापिका का बहुत आदर करते थे।

एक दिन एक बहुत बड़े सेठ को अध्यापिका की विद्वता व उसकी निर्धनता के बारे में मालूम हुआ। उस सेठ के कोई संतान नहीं थी। उसने सोचा हुआ था कि वह कुछ गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें धन प्रदान करेगा। सेठ अध्यापिका के घर पहुंचा और बोला, देवी, आप निर्भीक व स्वाभिमानी हैं। मैं चाहता हूं कि आपके बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। उसके लिए आप यह कुछ रुपये स्वीकार करें। इसके बाद उसने रुपयों की थैली अध्यापिका की ओर बढ़ाई। अध्यापिका हाथ जोड़कर सेठ से बोली, शायद आपको कुछ भ्रम हो गया है। मैं इतनी गरीब भी नहीं हूं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा न दे पाऊं। मेरे पास जितनी दौलत है, उतनी शायद ही किसी के पास हो। सेठ अचरज से बोला, कहां है दौलत, जरा हमें भी तो बताइए। अध्यापिका ने अपने दोनों पुत्रों को आवाज लगाई तो दोनों पुत्र तुरंत वहां आए और अपनी मां के पैर छूने के बाद उन्होंने सेठ के पैर छुए। फिर उन्होंने मां से पूछा, कहिए कैसे याद किया?

स्वास्थ्य

सेना विहीन कोस्टा-रिका शिक्षा और स्वास्थ्य से बना स्वर्ग

सैन जोस (ईएमएस)। तकरीबन 75 साल पहले मध्य अमेरिकी राष्ट्र कोस्टा रिका ने एक ऐसा क्रांतिकारी फैसला लिया जिसने इस छोटे से देश की तस्वीर पूरी तरह बदल दी। कोस्टा रिका ने अपनी पूरी सेना को खत्म कर दिया और सैन्य बजट का पैसा विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में लगाकर खुद को शांति और खुशहाली के स्वर्ग में बदल दिया। कोस्टा रिका ने अपनी सेना क्यों खत्म की? यह सवाल जितना सीधा लगता है, इसका जवाब उतना ही दिलचस्प है। अक्सर माना जाता है कि यह फैसला शांति के प्रति उनके प्रेम की वजह से लिया गया था, लेकिन इसके पीछे की असली वजह एक राजनीतिक डर था। 1948 में कोस्टा रिका के नेता जोस फिग्युरेस फेरर ने सेना खत्म करने का ऐलान किया। इसके पीछे मुख्य कारण कोई आदर्शवादी विचार नहीं, बल्कि एक कड़वी सच्चाई थी। फिग्युरेस जानते थे कि सेना अक्सर तख्तापलट करती है और अपनी सत्ता को किसी भी भविष्य के सैनिक विद्रोह से बचाने के लिए उन्होंने सबसे सीधा रास्ता चुना सेना को ही खत्म कर देना। 1917 के तख्तापलट के बाद से ही कोस्टा रिका की सेना कमजोर होने लगी थी, जिसका फायदा फिग्युरेस ने उठाया ताकि सेना दोबारा कभी राजनीति में दखल न दे सके। सेना को खत्म करने का एक बड़ा और सकारात्मक परिणाम यह हुआ कि रक्षा बजट का सारा पैसा देश के विकास में लगाया गया।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग में आगे है मध्यप्रदेश, वाराणसी में भी वैदिक घड़ी

इंदौर।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंग्रेजी काल गणना के 12 महीने भी भारतीय खगोल मापदंड के आधार पर बने हैं। हमारे खगोल वैज्ञानिकों ने आर्यभट्ट के दौर में बता दिया था कि सूर्य की परिक्रमा करने में सभी ग्रहों को अलग-अलग समय लगता है। शनि ग्रह का एक वर्ष साढ़े 29 साल में पूर्ण होता है। सभी ग्रहों और नक्षत्रों की गति के आधार पर वैदिक ज्ञान से पता चलता है कि सूर्य और चंद्र ग्रहण कब होगा। मध्यप्रदेश के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से प्राचीन ज्ञान के आधार पर राज्य सरकार ने वैदिक घड़ी तैयार की है। पहले उज्जैन और उसके बाद काशी विश्वनाथ मंदिर में वैदिक घड़ी स्थापित की गई। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आज ही वाराणसी स्थित बाबा विश्वनाथ धाम में सम्राट विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का अवलोकन किया है। मध्यप्रदेश सरकार के सहयोग से सभी द्वादश ज्योतिर्लिंग परिसरों में यह वैदिक घड़ी लगाई जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महेश्वर-मंडलेश्वर क्षेत्र ज्ञान-विज्ञान का केंद्र रहा है। महर्षि मंडन मिश्र के नाम से प्रसिद्ध इसी क्षेत्र में उनका शंकराचार्य से शास्त्रार्थ हुआ था, तब मंडन मिश्र ने अपनी पत्नी को न्यायाधीश की जिम्मेदारी सौंपी थी। यह घटना देश के इतिहास में नारी सशक्तिकरण का सबसे बड़ा उदाहरण थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोक माता अहिल्या बाई होल्कर ने कठिन दौर में भी देशभर के सनातनी मंदिरों को भव्यता के साथ विकसित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में गेहूं का उपार्जन कार्य व्यवस्थित रूप से हो रहा है। हमारी सरकार ने 2 साल में गेहूं का भाव 400 रुपए प्रति क्विंटल से अधिक बढ़ाकर किसानों को लाभ दिया है।

इंदौर के इतिहास में लिखा जा रहा है एक नया अध्याय- जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि आज इंदौर के इतिहास में एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश को ग्रीन एनर्जी का हब बनाने का संकल्प लिया है और इसी को मुख्यमंत्री डॉ. यादव आगे बढ़ा रहे हैं। ग्रीन बॉन्ड से जुटाए फंड से जलूद में देश का पहला सोलर प्लांट बनकर तैयार हुआ है। इसके लिए इंदौर और महेश्वर की जनता को बधाई देता हूं। सांसद श्री शंकर लालवानी ने कहा कि भारत ग्रीन एनर्जी सेक्टर में काम करने वाला दुनिया का अग्रणी देश है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कार्यक्रम में विधायक श्री राजकुमार मेव ने महेश्वर और इंदौर क्षेत्र को मिली विकास कार्यों की सौगातों के लिए आभार माना।

जनभागीदारी से बना देश का पहला सोलर प्लांट- महापौर इंदौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि जलूद से ही नर्मदा मैया का जल 70 किलोमीटर दूर इंदौर तक पहुंचता है। जलूद में बुधवार को 300 करोड़ लागत के 60 मेगावाट क्षमता के सोलर पॉवर प्लांट का शुभारंभ हुआ है। यह ऐतिहासिक प्लांट केंद्र सरकार की ओर से शुरू की गई ग्रीन बॉन्ड व्यवस्था की मदद से बनकर तैयार हुआ है। इंदौर नगर निगम देश का पहला नगरीय निकाय है, जिसने ग्रीन बॉन्ड के माध्यम से फंड जुटाया है। इस सोलर प्लांट में देश के 28 राज्यों का योगदान मिला है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इस कार्य में आई सभी बाधाओं को बिना किसी देरी किए दूर किया और महेश्वर में जनभागीदारी से बने देश के पहले सोलर प्लांट का सपना साकार हो पाया है। कार्यक्रम में राज्यसभा सदस्य सुमेर सिंह सोलंकी, विधायकगण सुश्री ऊषा ठाकुर, महेंद्र हार्डिया, विधायक सचिन बिरला रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, मधु वर्मा के अलावा अनेक जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

»न्यूज ब्रीफ

नशेड़ी ने चाकू मारा

इंदौर। फरियादी राजू पिता ओमप्रकाश सोलंकी निवासी ऋषि पैलेस कॉलोनी ने पुलिस को बताया कि क्षेत्र में रहने वाला नशेड़ी अशोक चौहान ने गांजा पीने के लिए 200 रुपए मांगे नहीं दिए तो चाकू मार कर फरार हो गया ।पुलिस ने केस दर्ज किया।

टक्कर से महिला गंभीर

इंदौर। अन्नपूर्णा चौराहे पर एक्टिवा पर जा रही है। अंजलि पति हरीश शर्मा को कार ने टक्कर मार दी। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गई ।पुलिस ने चालक के खिलाफ के इस दर्ज किया।

गांजा पीते चार बंदी

इंदौर। द्वारकापुरी पुलिस ने गांजा पीते हुए अशोक सोलंकी महेश राठौर कमलेश वर्मा और विशाल परमार को पकड़ा इनके पास से नशे की पुड़िया बरामद की है। सभी के खिलाफ केस दर्ज किया।

बाइक में लगाई आग

इंदौर। फरियादी गिरीश पिता चंद्रकांत पाल निवासी बड़ी ग्वालटोली ने पुलिस को बताया कि उसकी मोटरसाइकिल मैं देर रात अज्ञात बदमाशों ने आग लगा दी जिसमें गाड़ी पूरी तरह से जल गई। पुलिस ने कैसे दजी किया।

किशोर का अपहरण

इंदौर। फरियादी सुरेश पिता मदनलाल पवार निवासी नेहरू नगर ने पुलिस को बताया कि उसका 15 वर्षीय बेटा महेंद्र को अज्ञात व्यक्ति बहला फुसला कर ले गया।

हथियार सहित पांच बंदी

बाणगंगा पुलिस ने पवन यादव से तलवार कैलाश साहू से चाकू बरामद किया। इसी प्रकार लसूडिया पुलिस में राजू कौशल से गुप्ति कमल जायसवाल से तलवार और गोपाल वर्मा से चाकू बरामद किया है। सभी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

गांजा शराब सहित चार धराएं

इंदौर। अन्नपूर्णा पुलिस ने विजय पिता चंद्रकांत पाल और देवेंद्र पिता जगदीश सेन को पकड़ा। इनके पास से430 ग्राम गांजा बरामद किया है। इसी प्रकार सेंट्रल कोतवाली पुलिस ने यशवंत चौहान और महेश सिसोदिया से दो पेटी अवैध शराब जप्त की है। सभी के खिलाफ केस दर्ज किया।

चाचा से की मारपीट

इंदौर। फरियादी सुनील पिता बाबूलाल गुर्जर निवासी जनता क्वार्टर ने पुलिस को बताया कि घरेलू बात को लेकर भतीजा नितिन ने उसके साथ डंडे से मारपीट की ।जिसमें वह घायल हो गया ।पुलिस ने केस दर्ज किया।

अधेड़ की लाश मिली

राहु पुलिस ने गोल चौराहे के पास से एक अज्ञात अधेड़ की लाश बरामद की है। उसके शरीर पर किसी भी प्रकार के चोट के निशान नहीं मिले हैं पुलिस मर्ग कायम का मामले की जांच कर रही है।

व्यापारी का लैपटॉप चुराया

इंदौर। फरियादी राजेंद्र पिता ओमप्रकाश अग्रवाल ने पुलिस को बताया कि दुकान के काउंटर पर रखा लैपटॉप बदमाश चुरा कर ले गया पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया।

महिला से की हरकत

लोकमान्य नगर में रहने वाली महिला की रिपोर्ट पर अशोक पिता पन्नालाल वर्मा के खिलाफ पुलिस ने छेड़छाड़ की धारा में केस दर्ज किया है।

स्कूटी चुराते बंदी

इंदौर। फरियादी मुस्कान पिता मनोज तोमर निवासी लोकनायक नगर की घर के बाहर से स्कूटी चुरा कर ले जाते हुए पप्पू पिता हेमंत राठौर को रंगे हाथों पकड़ा । और पुलिस के हवाले किया।

खजराना में 'सफेद जहर' के सौदागरों का गेम ओवर

एमडी ड्रग्स लेकर घूम रहे थे दो तस्कर, पुलिस ने दबोचा

इंदौर।

शहर के युवाओं की रगों में सफेद जहर घोलने वाले नशे के सौदागरों के खिलाफ खजराना पुलिस ने बड़ी स्ट्राइक की है। पुलिस ने ड्रग्स तस्करी के एक सक्रिय नेटवर्क को ध्वस्त करते हुए दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए तस्करों के पास से पुलिस ने करीब 10 ग्राम एमडी (मेफेड्रोन) ड्रग्स और तस्करी में इस्तेमाल होने वाला ऑटो रिक्शा बरामद किया है। इस पूरी जब्ती की कीमत 4 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है।

रंगून गार्डन के पास बिछाया जाल, भागने का मौका नहीं मिला

पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के नशा मुक्त इंदौर अभियान के तहत थाना प्रभारी मनोज सिंह सेंधव की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि स्कीम नंबर 134 में ड्रग्स की बड़ी खेप खपाने की तैयारी है।

पुलिस ने रंगून गार्डन के पास घेराबंदी की। तभी स्कूटी पर सवार दो संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देख सकपका गए और भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए उन्हें चारों तरफ से घेरकर दबोच लिया।

रिक्शा चालक और झाड़ू बनाने वाला निकला तस्कर

तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से प्रतिबंधित एमडी ड्रग्स के पाउच मिले। पूछताछ में आरोपियों की पहचान इरफान मोहम्मद उर्फ हामा (निवासी खिजराबाद कॉलोनी) और गोकुल चौरसिया (निवासी न्यू गौरी नगर) के रूप में हुई। इरफान झाड़ू बनाने का काम करता है और गोकुल ऑटो रिक्शा चलाता है। दोनों ने कबूल किया कि वे नशे के आदी हैं और अपनी लत को पूरा करने के साथ-साथ %रातों-रात अमीर% बनने के चक्कर में ड्रग्स सप्लाई के गंदे धंधे में उतर आए।

जब्ती का लेखा-जोखा

पुलिस ने आरोपियों के पास से 1 लाख रुपये से अधिक मूल्य की 10 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की है। साथ ही तस्करी में इस्तेमाल किया जा रहा बजाज कंपनी का ऑटो रिक्शा (MP09AN6506) भी पुलिस के कब्जे में है, जिसकी कीमत करीब 3 लाख रुपये है। कुल मिलाकर 4 लाख रुपये का मशरूका बरामद किया गया है।

पुलिस अब खंगाल रही है बैकवर्ड लिंकेज

खजराना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 के तहत मामला दर्ज किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों को रिमांड पर लिया जा रहा है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे यह माल इंदौर में किससे खरीदते थे और उनके ग्राहक कौन-कौन हैं। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ में शहर के कई अन्य बड़े नामों का खुलासा हो सकता है।

स्वच्छ सर्वेक्षण को लेकर वॉर्ड 8 में विशेष सफाई अभियान

इंदौर।

स्वच्छ सर्वेक्षण के मद्देनजर नगर निगम द्वारा वॉर्ड क्रमांक 08 में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। आहिल्यापुरा और मल्हार प्लाटून क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों, निगम अमले और सामाजिक संगठनों के सहयोग से व्यापक स्तर पर सफाई और स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़े कार्य किए गए। अभियान में पार्षद नीता शर्मा, शिव गुप्ता, बंटी सोनगरा, राकेश शर्मा सहित क्षेत्रीय प्रतिनिधियों की मौजूदगी रही। झोन इंचार्ज सुनील के नेतृत्व में निगम टीम और मियूष फाउंडेशन ने सड़कों व बैकलेन की सफाई करवाई, साथ ही मच्छरों की रोकथाम के लिए फॉगिंग और दवा का छिड़काव भी किया गया। अधिकारियों ने सफाई मित्रों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए क्षेत्र को स्वच्छ और सुरक्षित बनाए रखने पर जोर दिया।

अभियान में स्थानीय रहवासियों की भी सक्रिय भागीदारी रही।

नरसिंह जयंती महोत्सव का शुभारंभ

महाभिषेक में उमड़े हजारों श्रद्धालु

इंदौर।

इंदौर में श्री जांगड़ा पोरवाल पंचायती सभा द्वारा आयोजित दो दिवसीय नरसिंह जयंती महोत्सव का शुभारंभ आज 29 अप्रैल को छत्रीबाग स्थित प्राचीन लक्ष्मी नरसिंह मंदिर में श्रद्धा और भक्ति के साथ हुआ।

सुबह 8 बजे 21 विद्वानों के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हजारों समाजबंधुओं ने पंचामृत से भगवान नरसिंह का महाभिषेक किया। मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल में डूबा नजर आया, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजन के लिए पहुंचे। आयोजन में समाज के वरिष्ठजन, महिला मंडल और युवाओं की सक्रिय भागीदारी रही।

समिति के पदाधिकारियों ने व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रूप से संचालित किया। कल 30 अप्रैल को आचार्य स्वामी रामदयाल महाराज के सानिध्य में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें सजे-धजे रथ और पुष्प वर्षा आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

जन्मदिन पार्टी के दौरान विवाद में युवक को चाकू मारा

इंदौर। राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में एक बच्चे की जन्मदिन की पार्टी के दौरान हुए विवाद में तीन आरोपियों ने मिलकर युवक को चाकू मार दिया और धमकी देकर फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना तेजपुर गड़बड़ी क्षेत्र में हुई। घायल का नाम किशन उर्फ बंटी पिता मनोहर लाल 45 साल निवासी अबीर विहार कॉलोनी है। फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी शंकर उर्फ राहुल, सोनू उर्फ भूरा और राहुल राठौर के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि मेरे घर के पड़ोस में रहने वाला योगेश अपनी बेटी का जन्मदिन घर के बाहर मना रहा था। वहां तीनों आरोपी भी खड़े थे। मुझे देख कर आरोपियों ने बिना कारण के गालियां देना शुरू कर दी जब मैं गालियां देने से मना किया तो आरोपियों ने मारपीट की इस दौरान दो आरोपियों ने पकड़ा और उसके तीसरे साथी ने चाकू से हमला किया धमकी देकर भाग गए। राजेंद्र नगर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। इसी प्रकार जनता क्वार्टर में रहने वाले कैलाश पिता कन्हैया लाल मरमट ने पुलिस को बताया कि क्षेत्र में रहने वाले शुभम पिता हेमंत चौहान ने पैसे के लेनदेन की बात को लेकर चाकू मार दिया जिसमें वह घायल हो गया।

मोहल्ला मीटिंग में महिला ने की शिकायत

अवैध शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार,पुलिस ने तुरंत छापा

इंदौर।

थाना तिलक नगर पुलिस द्वारा आयोजित मोहल्ला समिति की बैठक का सकारात्मक असर देखने को मिला है। बैठक के दौरान मिली एक गोपनीय सूचना पर पुलिस ने तत्काल कार्यवाही करते हुए आईडीए मल्टी के पास से एक आरोपी को अवैध शराब बेचते हुए रंगे हाथों पकड़ा। आरोपी के पास से भारी मात्रा में देशी मदिरा और नकदी बरामद की गई है।

मीटिंग के बीच पहुंची सूचना

पुलिस उपायुक्त (जोन 2) श्री कुमार प्रतीक एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्री अमरेंद्र सिंह के निर्देशन में क्षेत्र में लगातार जन-संवाद कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में तिलक नगर पुलिस आईडीए मल्टी के पास मोहल्ला समिति की बैठक ले रही थी।

चर्चा के दौरान ही एक महिला ने अपनी पहचान गुप्त रखने की शर्त पर पुलिस को बताया कि मल्टी के जे-ब्लॉक में एक व्यक्ति अवैध रूप से शराब बेच रहा है और वहां असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है।

ऑन-स्पॉट रेड से मची खलबली

सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बिना वक्त गंवाए बताए गए स्थान पर दबिश दी। अचानक हुई इस कार्यवाही से वहां हड़कंप मच गया। पुलिस ने घेराबंदी कर राहुल पिता नैन सिंह राठौर (36), निवासी इदरीश नगर को दबोच लिया। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 67 क्वार्टर देशी शराब बरामद हुई, जिसमें 37 क्वार्टर मसाला और 30 क्वार्टर प्लेन मदिरा शामिल है। जब्त शराब की कीमत करीब 6100 रुपये बताई जा रही है।

गुंडे बेटे ने पिता पर चाकू से किया जानलेवा हमला

इंदौर। 29 अप्रैल हीरानगर थाना क्षेत्र के कुख्यात गुंडे ने अपने पिता पर चाकू से जानलेवा हमला किया और फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार रात लगभग 12:10 बजे सागर घर पहुंचा और घर का सामान फेंकने लगा। पिता अनिल ने उसे रोकने का प्रयास किया तो सागर ने चाकू से हमला किया और फरार हो गया। आसपास के लोगों की मदद से अनिल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जा उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। मामले में बेटी भक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। उल्लेखनीय है कि 23 अप्रैल को क्षेत्र में विवाद के चलते पुलिस ने सागर ठाकुर को पकड़ा था। जहां उसे छोड़ दिया गया। आरोपी सागर ठाकुर के खिलाफ पहले से 7 आपराधिक मामले दर्ज हैं जिसमें मारपीट अवैध हथियार आदि शामिल है।

यातायात पुलिस द्वारा अनूठा जागरूकता अभियान

एयर होस्टेस ट्रेनी ने इशारों में समझाए लोगों को ट्रैफिक नियम

इंदौर।

इंदौर शहर में यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आरके सिंह के मार्गदर्शन एवं पुलिस उपायुक्त (प्रभारी यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में शहर में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति आमजन को जागरूक करने हेतु यातायात पुलिस द्वारा निरंतर नवाचारपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को पलासिया चौराहे पर एक अनूठा जागरूकता अभियान आयोजित किया गया।

उक्त कार्यक्रम में सहायक पुलिस आयुक्त हिन्दू सिंह मुवेल व थाना प्रभारी यातायात अरविंद दांगी की उपस्थिति में 'अक्शा' इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट की ट्रेनी एयर होस्टेस ने सहभागिता निभाई।

अभियान के दौरान ट्रेनी एयर होस्टेस ने विमान में दिए जाने वाले सुरक्षा निर्देशों की शैली में, इशारों एवं संकेतों के माध्यम से वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान ट्रेनी एयर होस्टेस द्वारा रेड सिग्नल पर रुकने, सीट बेल्ट लगाने, दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने जैसे महत्वपूर्ण नियमों की जानकारी आकर्षक एवं प्रभावी तरीके से दी गई।

इस अभिनव पहल ने चौराहे पर उपस्थित वाहन चालकों का ध्यान आकर्षित किया और उन्हें यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया।

शादी की बात टूटने पर युवती पर किया जानलेवा हमला

इंदौर।

परदेसी पुरा थाना क्षेत्र में एक युति पर जानलेवा हमला किए जाने की घटना हुई। पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 21 वर्षीय सुषमा बदला हुआ नाम ने पुलिस को बताया कि वह एक निजी कंपनी में काम करती है। अंकित ठाकुर से उसकी दोस्ती थी। दोनों के बीच शादी को लेकर बातचीत चल रही थी।

सुषमा को इसी दौरान पता चला कि अंकित का किसी अन्य लड़की से भी संबंध है। इस पर उसने अंकित के परिवार से बात की जिन्होंने उसे दूरी बनाने की सलाह दी इसके बाद सुषमा ने उससे संपर्क खत्म कर दिया।

अंकित अपने दोस्त अभिषेक पवार के साथ सुषमा के घर पहुंचा और बातचीत बंद करने पर गालियां देने लगा। उसने गाली देने से मना किया तो दोनों ने मारपीट की और फिर सुषमा पर चाकू से जानलेवा हमला कर फरार हो गए। पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश कर रही है।

खेत पर कुएं में मिली कारोबारी की लाश, हत्या की आशंका

13 दिन से थे कारोबारी लापता, परिजन ने ईंटखेड़ी थाने में दर्ज कराई थी गुमशुदगी

भोपाल। गुनगा स्थित गांव धमर्रा में कारोबारी की लाश ताऊ के खेत पर कुएं में मिलने से सनसनी फैल गई। वह 17 अप्रैल की सुबह घर से गुटखा लेने का कहकर निकले थे। इसके बाद से ही घर नहीं लौटे। उनकी दो दिन बाद 19 अप्रैल को गुमशुदगी दर्ज कराई गई। मोबाइल की टॉवर लोकेशन के आधार पर परिजन धमर्रा ताऊ के खेत पहुंचे, वहां 13 दिन बाद कारोबारी की लाश कुएं में डिकंपोज हालत में मिली। कुएं के बाहर मृतक के कपड़े, चप्पल भी मिली है। परिजन का आरोप है कि ताऊ के बेटे व एक महिला समेत तीन लोगों ने मिलकर उनके बेटे की हत्या की है। हत्या करने के बाद आरोपियों ने लाश कुएं में ठिकाने लगा दी। पुलिस का कहना है कि लाश डिकंपोज होने के कारण शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले है। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है। पुलिस के अनुसार लांबाखेड़ा, ईटखेड़ी निवासी देवेन्द्र मेहरा पिता देवेश मेहरा (40) ललवानी प्रेस रोड कोतवाली में बेल्ट और लेडीज पर्स की दुकान का संचालन करते थे। गत 17 अप्रैल की सुबह वह घर से गुटखा लाने का कहकर निकले। इसके बाद घर नहीं लौटे। उन्हें कॉल किया गया, पर उनका मोबाइल भी बंद हो गया था। दो दिन तलाश करने के बाद परिजन 19 अप्रैल को ईंटखेड़ी थाने पहुंचे और उनकी गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस व परिजन लापता देवेन्द्र की तलाश कर रहे थे। इस बीच ईटखेड़ी पुलिस ने सायबर सेल से लापता कारोबारी के मोबाइल की सीडीआर निकलवाई। सीडीआर के आधार पर मंगलवार सुबह परिजन पुश्तैनी गांव धमर्रा रोड पहुंचे। वहां देवेंद्र इस दौरान एक महिला ने बताया कि कुएं के पास से तेज बदबू आ रही है। परिजन कुएं के नजदीक पहुंचे तो चप्पल और कपड़े नजर आए, वहीं कुएं के अंदर लाश पड़ी थी। थाना प्रभारी रिंकू जाटव ने बताया कि लाश करीब 10-12 दिन पुरानी होने के कारण डिकंपोज हो चुकी है। शरीर के गुदना, चप्पल व कपड़ों से मृतक की पहचान की जा सकी है। आखिरी बार तीन नंबर पर हुई बात - सायबर पुलिस द्वारा निकाली गई सीडीआर के अनुसार देवेन्द्र ने ईटखेड़ी क्षेत्र में तीन अलग-अलग मोबाइल नंबरों पर बात की थी। उनमें से दो मोबाइल नंबर ताऊ के बेटे मनोज मेहरा के हैं जबकि एक नंबर मीरा बाई नामक महिला का है। परिजन ने ताऊ के बेटे व महिला समेत तीन लोगों पर आरोप लगाए हैं। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

युवक को नग्न कर पीटा, मुंह पर पेशाब किया, वीडियो बनाकर किया वायरल

भोपाल। राजधानी में वर्चस्व की लड़ाई में मानवता को शर्मशार करने की घटना सामने आई है। घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे है। वायरल वीडियो में बदमाश युवक को नग्न कर उसके साथ मारपीट कर रहे हैं और एक बदमाश ने सारी हदें पार करते हुए उसके मुंह पर यूरिन कर दी। मारपीट में घायल युवक का अस्पताल में इलाज चल रहा है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची कमला नगर पुलिस को पता चला कि उनके क्षेत्र में विवाद नहीं हुआ है। विवाद नादरा बस स्टैंड पर हुआ है। लिहाजा हनुमानगंज थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। हालांकि थाना प्रभारी हनुमानगंज ने कहा कि वीडियो में जो जगह नजर आ रही है वह नादरा बस स्टैंड नहीं है। साथ ही फरियादी को खुद पता नहीं है कि उसके साथ कौनसे क्षेत्र में मारपीट और यह गंभीर घटना हुई है। पुलिस प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार कमला नगर इलाके में रहने वाला 22 साल का युवक मजदूरी करता है। उसके खिलाफ पूर्व में दो अपराध दर्ज है। उसकी दोस्ती अनिकेत नामक युवक से है। अनिकेत और रोहित पवार का पुराना विवाद है। युवक गत 26-27 अप्रैल की दरमियानी रात नादरा बस स्टैंड पर था। इसी बीच कार से रोहित पवार, भीम थापा, गुड्डू पिस्टल एक अन्य नाबालिग के साथ नादरा बस स्टैंड पहुंचे। वहां उन्हें युवक नजर आ गया। आरोपियों ने युवक से अनिकेत के बारे में पूछताछ की। उसने कहा कि उसे नहीं पता कि अनिकेत कहां है। इस पर आरोपियों ने उसे कार में जबरन बिठा लिया और अपने साथ ले गए। किसी खाली मैदान पर ले जाकर आरोपियों ने युवक को नग्न कर दिया और चप्पल, लात घूंसे से उसके साथ मारपीट की। इस दौरान किसी ने उस पर यूरिन भी की थी। पुलिस ने उक्त मामले में हत्या के प्रयास की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया। दो दिन बाद वीडियो वायरल - एफआईआर दर्ज करते समय युवक ने यह नहीं बताया था कि आरोपियों ने उसके साथ मारपीट करते समय चेहरे पर यूरिन की थी। दो दिन बाद वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। वायरल वीडियो के आधार पर धाराएं बढ़ाई गई है। जिस युवक के साथ मारपीट हुई है वह एसटी का है। लिहाजा एट्रोसिटी एक्ट की धाराओं में भी धाराएं बढ़ाई जा रही है। वर्चस्व को लेकर बताया जा रहा विवाद - यह भी बताया जा रहा है कि रोहित पवार का भाई लाला पवार अभी जेल में बंद है। वह आपराधिक प्रवृत्ति का है। उसका भाई रोहित पवार भी आपराधिक प्रवृत्ति का है। रोहित का अनिकेत से विवाद है। अनिकेत के साथ युवक रहता है। युवक पर भी दो प्रकरण दर्ज है। आरोपियों ने वीडियो में युवक से यह भी कहलवाया है कि लाला पवार हमारा बाप है। पुलिस इसे इलाके में गुंडागर्दी करने वालों के बीच वर्चस्व की लड़ाई बता रही है।

» समाचार संक्षेप

रुबात विवाद में सबा अली-सिकंदर हफीज पर एफआईआर की मांग, सौंपा ज्ञापन

भोपाल। भोपाल रियासत के हाजियों को सऊदी अरब में ओकाफ-ए-शाही द्वारा निर्मित रुबात की सुविधा नहीं मिल पाने का मामला एक बार फिर गरमा गया है। विधायक आरिफ मसूद ने इस मुद्दे पर बुधवार को मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल को ज्ञापन सौंपकर मुतवल्लिया सबा अली खान पटौदी और सिकंदर हफीज के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग की। डॉ. पटेल ने मामले की गंभीर जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया।

मसूद ने कहा कि मक्का और मदीना में भोपाल रियासत के हाजियों की सुविधा के लिए रुबात का निर्माण कराया गया था, ताकि उन्हें ठहरने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। लेकिन वर्षों से यह सुविधा हाजियों को उपलब्ध नहीं हो पा रही है, जिससे उन्हें अतिरिक्त आर्थिक भार उठाना पड़ रहा है।

उर्दू अदब की महफिल में दो पुस्तकों का विमोचन

भोपाल। शहर में आयोजित एक गरिमामय साहित्यिक समारोह में उर्दू साहित्य से जुड़ी दो महत्वपूर्ण पुस्तकों—डॉ. परवीन खानम की 'उर्दू नोवल निगारी का इर्तिका' और डॉ. इशरत की 'अक्कासी का सफर '—का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में शहर की अनेक साहित्यिक, शैक्षणिक और सामाजिक हस्तियां उपस्थित रहीं। डॉ. परवीन खानम की पुस्तक उर्दू उपन्यास लेखन के इतिहास और विकास पर आधारित है, जबकि डॉ. इशरत की कृति कुरान की रोशनी में आत्म-चिंतन और आत्म-खोज का संदेश देती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. नोमान खान और इकबाल मसूद ने की तथा संचालन बद्र वासती ने किया।

2,646 पदों के लिए आवेदन,हाईकोर्ट से मिली राहत

भोपाल। राजधानी में नर्सिंग क्षेत्र के अभ्यर्थियों के लिए बड़ी खबर है। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने नर्सिंग ऑफिसर और सिस्टर ट्यूटर के 2,646 पदों पर संयुक्त भर्ती परीक्षा-2026 की प्रक्रिया फिर शुरू कर दी है। यह भर्ती लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत होगी। यह प्रक्रिया मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश के बाद दोबारा शुरू की गई है। कोर्ट ने संबंधित याचिकाओं में शामिल अभ्यर्थियों को राहत देते हुए आवेदन करने की अनुमति दी है। अंतरिम आदेश के तहत पात्र याचिकाकर्ता अभ्यर्थी 29 अप्रैल से 3 मई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। हालांकि यह मौका केवल उन्हीं उम्मीदवारों के लिए है, जो संबंधित याचिकाओं में शामिल हैं। कोर्ट के निर्देशों के अनुसार इन अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता पूरी तरह प्रावधिक (प्रोविजनल) रहेगी और उनके परीक्षा परिणाम अंतिम निर्णय तक रोके जाएंगे।

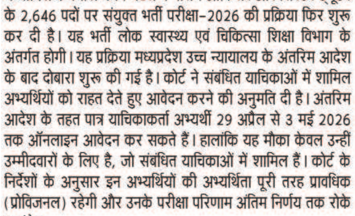

एमपीसीडीएफ में स्वास्थ्य परीक्षण

भोपाल। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा संचालित एमपी स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड (एमपीसीडीएफ) भोपाल परिसर में स्थित राज्य स्तरीय केन्द्रीय प्रयोगशाला में कल नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर (फ्री हेल्थ चेकअप कैंप) का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ डॉ. संजय गोवाणी, प्रबंध संचालक और जयदेव विश्वास, एमपीसीडीएफ के द्वारा किया गया। इस अवसर पर इफको-टोकियो जनरल इंश्योरेंस के मध्यप्रदेश छत्तीसगढ के ग्रुपहेड शुभम जैन ने डॉ. गोवाणी और विश्वास को पौधा देकर स्वागत किया। इस अवसर पर इफको-टोकियो के भोपाल हेड श्री संजीव देवपुरिया, सागर मल्टी स्पेशिलिटी हॉस्पिटल के सीनियर मेनेजर राजेश डुन्रा सहित एमपीसीडीएफ के सभी शाखाओं के ग्रुप हेड विशेषतौर पर मौजूद रहे। डॉ. गोवाणी ने कहा कि स्वस्थ जीवन का मुख्य आधार संतुलित आहार नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद और मानसिक शांति है। हम सभी को समय-समय पर अपना जनरल हेल्थ चेकअप कराते रहना चाहिए। शिविर में सागर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल भोपाल से स्वास्थ्य दल में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. राघवेन्द्र शर्मा एवं जनरल फिजीशियन डॉ. नीरज शर्मा के साथ वीपी, शुगर, ईसीजी, वोनमेरो डेनसिटी विशेषज्ञों ने एमपीसीडीएफ और भोपाल सहकारी दुग्ध संघ में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारियों का सामान्य स्वास्थ परीक्षण कर उनको स्वस्थ्य रहने के टिप्स दिए।

चलती ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

भोपाल। ऐशबाग इलाके के मोती नगर रेलवे ट्रैक पर चलती ट्रेन से गिरे युवक की मौत हो गई। उसके पास मिली पर्ची से उसकी पहचान की गई। मृतक गाडरवाड़ा का रहने वाला था और काम की तलाश में भोपाल आया था। पुलिस ने परिजन से संपर्क कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार मंगलवार सुबह सूचना मिली थी कि मोती नगर ऐशबाग में रेलवे ट्रैक पर किसी युवक का शव पड़ा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया। मृतक की तलाशी लेने पर पुलिस को एक पर्ची मिली थी। पर्ची में मिले नंबर के आधार पर पुलिस ने संपर्क किया। इस दौरान परिजन से पुलिस का संपर्क हो गया। परिजन ने बताया कि सोमवार रात ही वह गाडरवाड़ा से भोपाल काम करने जाने का कहकर निकला था। अनुमान है कि चलती ट्रेन से गिरने के कारण उसकी मौत हुई है। मृतक की पहचान नंद किशोर अहिरवार (21) निवासी गाडरवारा के रूप में की गई।

हरि नन्दलाल भजो, नरसिंह गोपाल भजो....और जय नरसिंह के उदघोष एवं शंख

इंदौर। छत्रीबाग स्थित श्री जांगड़ा पोरवाल पंचायती सभा स्थित प्राचीन लक्ष्मी नरसिंह मंदिर पर बुधवार को सुबह भक्ति, परम्परा, संस्कृति और आस्था-श्रद्धा का मनोहारी समन्वय देखने को मिला, जब सुबह 21 विद्वानों के निर्देशन में हजारों बंधुओं ने शंख, घंटे-घड़ियाल की मंगल ध्वनि और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच फ़हरि नन्दलाल भजो, नरसिंह गोपाल भजो.... और जय नरसिंह के उदघोष से समूचे मंदिर परिसर को गुंजायमान बनाए रखा।

सुबह 7 बजे से भक्तों के आगमन का क्रम शुरू हो गया था जो 11.30 बजे तक चलता रहा। इस दौरान 2 हजार से अधिक समाज बंधुओं ने भगवान लक्ष्मी नरसिंह का पंचामृत, 7 तरह के फलों और 11 किस्म के फूलों से महाभिषेक किया। भक्ति भाव का यह प्रवाह 4.30 घंटों तक लगातार चलता रहा। श्री जांगड़ा पोरवाल पंचायती सभा उत्सव समिति के अरुण पोरवाल, सभा के अध्यक्ष रामदयाल फरकिया एवं महोत्सव के मुख्य यजमान समाजसेवी जगदीश कन्हैयालाल गुप्ता खेजडियावाला ने बताया कि आचार्य पं. कुबेर एवं आचार्य पं. दिनेश महाराज के निर्देशन में 21 विद्वानों ने सुबह जैसे ही शंख, घंटे-घडियाल की मंगल ध्वनि के बीच वैदिक मंत्रोच्चार प्रारम्भ किया, समाज बंधुओं का उत्साह चरम पर पहुँच गया। भगवान के जयघोष और भजनों की गूँज शरू हो गई। मंदिर में भगवान के महाभिषेक के लिए भक्तों में पूरे समय होड़ मची रही। इस अवसर पर समाज की ओर से श्याम राणापुर, सुभाष धनोतिया, पुष्पेन्द्र धनोतिया, श्रीकृष्ण घरिया, लेखराज कारा, चंद्रशेखर पोरवाल, रामस्वरूप पोरवाल, देवेन्द्र अंगूठी, बलराम गुप्ता एवं मातृशक्ति की ओर से हेमलता घाटिया, मंजू धनोतिया, प्रियंका गुप्ता एवं सुधा मेहता सहित 2 हजार से अधिक समाज बंधुओं ने पंचामृत, 7 तरह के फलों तथा पूजन सामग्री से भगवान का महाभिषेक कर उनसे समाज, शहर एवं राष्ट्र में सुख, शांति और सद्भाव के लिए प्रार्थना की। इस दौरान समूचा परिसर भजनों और जयघोष से गूंजता रहा। सूखे मेवों के प्रसाद वितरण के साथ महाभिषेक का समापन हुआ। आज सुबह निकलेगी भव्य शोभायात्रा ङ्क उत्सव समिति के अरुण पोरवाल ने बताया कि गुरुवार 30 अप्रैल को सुबह 8 बजे छत्रीबाग स्थित मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी जिसमें एक रथ पर भगवान लक्ष्मी नरसिंह अपने भक्तों को दर्शन देने एवं दूसरे स्वर्ण अंतर्राष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के आचार्य जगदगुरु स्वामी रामदयाल महाराज समाज बंधुओं एवं शहरवासियों को आशीर्वाद देते हुए शामिल होंगे।

कलियुग में गौसेवा से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं - युगपुरुष

इंदौर। खंडवा रोड स्थित अखंड परमधाम आश्रम गौशाला समिति के अध्यक्ष रामबाबू अग्रवाल ने हरिद्वार में अखंड परमधाम के महामण्डलेश्वर एवं राम जन्मभूमि न्यास अयोध्या के न्यासी युगपुरुष स्वामी परमानंद गिरी से मुलाकात कर उन्हें इन्दौर आश्रम में चल रहे विकास कार्यों एवं गौशाला निर्माण सहित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी प्रदान की। रामबाबू अग्रवाल ने युगपुरुष स्वामी परमानन्द गिरी को बताया कि गौशाला निर्माण के लिए शहर के प्रमुख समाजसेवी बंधु बड़ी संख्या में आगे आकर सहयोग प्रदान कर रहे हैं और चाहते हैं कि यह गौशाला अत्याधुनिक सुविधाओं से सम्पन्न होकर आदर्श गौशाला बने। युगपुरुष ने इंदौर के सेवाभाव की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह सदकार्य और पुण्य का कार्य है। कलियुग में गौसेवा से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं हो सकता, गौमाता की सेवा माता-पिता और गुरु का दर्जा एक ही होता है। वर्तमान में गौभक्तों को पूरे देश में जागरूकता लाने और सरकार को विवश करने की दिशा में काम करना चाहिए तभी सही मायने में गौसेवा सार्थक होगी और गौहत्या पर रोक लग सकेगी।

नौकरी और लोन के नाम पर महिलाओं से धोखाधड़ी, बैंक खाते खुलवाकर ठगी की आशंका

इंदौर (प्रकाश महावर कोली)। शहर के अर्जुनपुरा, लालबाग क्षेत्र में रहने वाली कई महिलाओं के साथ धोखाधड़ी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित महिलाओं ने पुलिस उपआयुक्त आनंद कालदगी से भेंट कर उन्हें मैक्सिमस फेलिक्स लीजन्स सिक्योरिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी के कर्मचारी पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

क्या है पूरा मामला?-पीड़ितों के अनुसार, अक्टूबर-नवंबर 2025 में उक्त कंपनी के एक कर्मचारी (मोबाइल नंबर- 9259495872) ने अर्जुनपुरा और आसपास की पिछड़ी कॉलोनियों में जाकर लोगों को झांसा दिया। महिलाओं को प्रलोभन दिया गया कि यूको बैंक (UCO Bank) में खाता खुलवाने के बाद उन्हें या तो सुरक्षा गार्ड की नौकरी दी जाएगी या फिर मध्य प्रदेश सरकार की योजना के तहत घरेलू व्यवसाय के लिए ?2 लाख का ब्याज मुक्त ऋण और सब्सिडी दिलाई जाएगी।

बैंक की विभिन्न शाखाओं में खुलवाए खाते

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि आरोपी ने उनके फोटो और महत्वपूर्ण दस्तावेज लेकर उन्हें यूको बैंक की बियाबानी शाखा, क्लॉथ मार्केट शाखा और जयरामपुर शाखा में ले जाकर उनके खाते खुलवाए। हालांकि, कुछ दिनों बाद जब महिलाओं ने अपने खातों के बारे में पूछा, तो उन्हें टाल दिया गया और कहा गया कि अभी खाते नहीं खुले हैं।

आरोपी फरार, ठगी की आशंका

पीड़ित महिलाओं ने बताया कि जिस मोबाइल नंबर से वे आरोपी से संपर्क करती थीं, वह अब बंद आ रहा है। पीड़ितों को आशंका है कि उनके दस्तावेजों का गलत इस्तेमाल कर बैंक खातों के जरिए कोई बड़ा वित्तीय फ्रॉड किया गया है।

पीड़िता शिखा, पार्वती, लक्ष्मी, रीता, पारू, रोशनी और माया सहित अन्य पीड़ित महिलाओं ने पुलिस प्रशासन से इस मामले की निष्पक्ष जांच करने और दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

इंदौर के लालबाग और अर्जुन पुरा क्षेत्र की सैकड़ों गरीब महिलाओं के साथ धोखाधड़ी कर उनके नाम पर बैंक खाते खोलकर उनका दुरुपयोग करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में आज बड़ी संख्या में पीड़ित महिलाओं ने पुलिस उपायुक्त (ष्ठष्टक्क) आनंद कालदगी को लिखित शिकायत सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है।

मामले का संक्षिप्त विवरण

पीड़ित महिलाओं ने बताया कि कुछ समय पूर्व एक निजी सुरक्षा एजेंसी %मेक्सिमस फेलिक्स लीजन्स सिक्योरिटी सर्विसेज% के माध्यम से उनसे दस्तावेज लेकर यूको बैंक में उनके खाते खुलवाए गए थे। महिलाओं को अंधेरे में रखकर इन खातों का उपयोग अब साइबर धोखाधड़ी और अवैध वित्तीय लेन-देन के लिए किया जा रहा है।

प्रयागराज पुलिस की दबिश से हुआ खुलासा

मामले का खुलासा तब हुआ जब उत्तर प्रदेश के प्रयागराज (थाना सिविल लाइन) की पुलिस इंदौर पहुँची और महिलाओं को नोटिस थमाया। पुलिस के अनुसार, इन खातों के जरिए स्नढ्ढक्र नंबर 502/25 (धारा 66 आईटी एक्ट) के तहत बड़ा वित्तीय फ्रॉड किया गया है। जब महिलाएं बैंक पहुँचीं, तो बैंक प्रबंधन और संबंधित कर्मचारी (शुभम मेहरा) ने जानकारी देने से इनकार कर दिया।

पुलिस उपायुक्त का आश्वासन

शिकायत सुनने के बाद पुलिस उपायुक्त आनंद कालदगी ने मामले की गंभीरता को स्वीकार किया है। वर्तमान में इस मामले में कोई औपचारिक स्नढ्ढक्र (प्रकरण) दर्ज नहीं की गई है, लेकिन ष्ठष्टक्क कालदगी ने महिलाओं को आश्वस्त किया है कि-पूरे मामले की विस्तृत जांच की जाएगी।

बैंक और निजी सुरक्षा एजेंसी की भूमिका की पड़ताल होगी।

यदि धोखाधड़ी की पुष्टि होती है, तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पीड़ित महिलाओं की और से उनके परिजन कैलाश देपाले, अर्जुन बड़ेरे, पिंटू छोलेवंश एवं सुनील बड़ले का कहना है कि वे बेहद गरीब परिवारों से हैं और उन्हें इस साजिश का मोहरा बनाया गया है।

उन्होंने मांग की है कि असली मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया जाए ताकि उन्हें पुलिस और कानूनी कार्रवाई की प्रताड़ना से बचाया जा सके।

राज्यमंत्री गौर ने किया 52 करोड़ के विकास कार्यों का श्रीगणेश, 14 किमी लंबी सड़कों से सुदृढ़ होगा परिवहन

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने बुधवार को गोविंदपुरा क्षेत्र में 52 करोड़ रुपए की लागत से होने वाले डामरीकरण और स्ट्रीट लाइट के कार्यों का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर गौर ने क्षेत्र के विकास को लेकर अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि गोविंदपुरा विधानसभा के विकास के लिए सरकार ने पूरी तरह से पर्याप्त निधि का प्रावधान किया है और विकास कार्यों में धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। गौर ने बताया कि अरविंद विहार कॉलोनी में 34 करोड़ 84 लाख रुपये की लागत से 9 किलोमीटर आंतरिक मार्ग का डामरीकरण और स्ट्रीट लाइट का कार्य किया जाएगा। इसके साथ ही बागमुगालिया एक्सटेंशन कॉलोनी में 5 किलोमीटर के आंतरिक मार्गों का डामरीकरण और स्ट्रीट लाइट निर्माण किया जाएगा। जिसमें करीब 17 करोड़ 52 लाख रुपए की लागत आएगी। राज्यमंत्री गौर ने कहा कि गोविंदपुरा क्षेत्र में लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं, जिससे नागरिकों को बेहतर जीवन की सुविधा मिल रही है। यह कार्य न केवल सड़कों के निर्माण के लिए हैं, बल्कि क्षेत्र के सौंदर्यीकरण और सुरक्षा को बढ़ाने के लिए भी हैं। राज्यमंत्री ने स्पष्ट तौर पर कहा कि विकास कार्यों के दौरान आने वाले किसी भी तरह के अतिक्रमण को हटाया जाएगा। उन्होंने बताया कि कई बार कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा विकास कार्यों में व्यवधान डालने की कोशिश की जाती है, लेकिन यह कार्य जनता की सुविधा के लिए किए जा रहे हैं।

ऐसे तत्वों के खिलाफ प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा, ताकि विकास कार्य बिना किसी रुकावट के समय पर पूरे हो सकें। गौर ने कहा कि गोविंदपुरा क्षेत्र में विकास कार्यों की गति को और तेज किया जाएगा। सड़कों के डामरीकरण से जहां क्षेत्र की परिवहन व्यवस्था बेहतर होगी, वहीं स्ट्रीट लाइटें सुरक्षा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण साबित होंगी। उन्होंने यह भी बताया कि नगर निगम और प्रशासन के अधिकारियों के साथ मिलकर क्षेत्र में शुद्ध पेयजल, स्वच्छता और अन्य आवश्यक सुविधाओं को भी प्राथमिकता दी जाएगी। इस भूमिपूजन कार्यक्रम में अर्चना परमार, शीला पाटीदार, प्रताप सिंह बैस, जितेंद्र शुक्ला, प्रताप वारे, नीरज सिंह, केवल मिश्रा और नारायण सिंह परमार आदि गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

किसान ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल। खजूरी सड़क इलाके के गांव लसुड़िया में किसान ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। परिजन से पूछताछ में भी आत्महत्या की वजह सामने नहीं आ सकी। पुलिस के अनुसार रवि मेवाड़ा पिता बाबूलाल मेवाड़ा (36) गांव लसूड़िया, खजूरी सड़क में रहता था और किसान था। वह सब्जी की खेती करता था। उसके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। सोमवार रात परिजन के साथ खाना खाने के बाद वह अपने कमरे में जाकर सो गया। मंगलवार सुबह करीब छह बजे सब्जी लोड करने वाला उसके घर पहुंचा। उसने रवि मेवाड़ा के कमरे के सामने पहुंचकर आवाज दी, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। पिता बाबूलाल मेवाड़ा आंगन में खड़े थे। उन्होंने कमरे की खिड़की पर लगा परदा हटाकर देखा तो अंदर रवि की लाश फांसी के फंदे पर लटकी दिखी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया। मृतक और कमरे की तलाशी लेने पर सुसाइड नोट नही मिला है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान बना जन-आंदोलन

अभियान में 21 हजार से अधिक जल संरचनाओं को मिला नया जीवन

अब तक खंडवा, खरगोन, डिंडोरी, राजगढ़ और बालाघाट अग्रणी, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, नाले-नालों की सफाई और सौंदर्यीकरण को बढ़ावा

खण्डवा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश में जन-आंदोलन का रूप ले रहा है। अभियान के तहत जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। हजारों खेत तालाब, कूप-रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण और पुरानी जल संरचनाएं पुनर्जीवित की जा रही हैं। जनभागीदारी और नवाचार से अभियान को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान में अब तक 39 हजार 977 खेत तालाबों का निर्माण, 59 हजार 577 कूप-रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण तथा 21 हजार 950 से अधिक पूर्व निर्मित जल संरचनाओं को पुनर्जीवित किया जा चुका है।

विभिन्न जिलों में इस अभियान में कई नवाचार

अभियान के क्रियान्वयन में खंडवा, खरगोन, डिंडोरी, राजगढ़ और बालाघाट जिले अग्रणी हैं। नगरीय निकायों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग, नाले-नालों की सफाई और सौंदर्यीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत बैतूल, अशोकनगर, बालाघाट, डिंडोरी और नरसिंहपुर जिले शीर्ष स्थान पर हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 19 मार्च गुड़ी पड़वा को जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया था, जो 30 जून तक जारी रहेगा। विभिन्न जिलों में इस अभियान में कई नवाचार हो रहे हैं, यह एक व्यापक जन-आंदोलन का रूप ले रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से

आह्वान किया है कि वे जल संरक्षण के इस महत्वपूर्ण अभियान से जुड़ें। आयुक्त, मनरेगा अवि प्रसाद ने बताया कि अभियान के लिए लगभग 6 हजार 278 करोड़ रुपये का वित्तीय लक्ष्य निर्धारित किया गया है। विभाग के अंतर्गत 6 हजार 236 करोड़ रुपये की लागत से 2 लाख 44 हजार कार्यों का क्रियान्वयन जारी है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल गुणवत्ता परीक्षण, पाइप लाइनों और नलों के लीकेज सुधार जैसे कार्य निरंतर किए जा रहे हैं। जन अभियान परिषद से जुड़ी संस्थाएं प्रभात फेरियों, रैलियों, जल संगोष्ठियों, दीवार लेखन और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से ग्राम स्तर पर जन-जागरूकता बढ़ा रही हैं।

अभियान को जन-आंदोलन बनाने के लिए ग्राम और वार्ड स्तर पर कुओं, बावड़ियों, तालाबों और नहरों की सामूहिक सफाई, पौधरोपण, घाटों की सफाई और जल संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों में सामूहिक श्रमदान को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन गतिविधियों में पंचायत एवं नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, महिला स्व-सहायता समूहों, व्यापारी संगठनों सहित विभिन्न संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। जल संरक्षण केवल पर्यावरण संरक्षण का विषय नहीं, बल्कि यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने का संकल्प है। राज्य सरकार इस दिशा में ठोस और परिणामोन्मुखी प्रयास कर रही है, जिससे प्रदेश में जल संसाधनों का संरक्षण और संवर्धन सुनिश्चित ।

सड़क दुर्घटना में घायलों की जान बचाने वाले राह-वीर विकास पटेल को मिलेगा 25 हजार रुपये का नकद पुरस्कार

बडवानी। सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को गोल्डन ऑवर (दुर्घटना के तुरंत बाद का महत्वपूर्ण समय) में अस्पताल पहुँचाकर उनकी जान बचाने वाले सजग नागरिकों को प्रोत्साहित करने के लिए भारत सरकार की राह-वीर योजना-2025 के तहत राहवीर को प्रोत्साहन स्वरूप अवार्ड एवं प्रशस्ति पत्र दिए जाने का प्रावधान है। इसी कड़ी में, परिवहन आयुक्त कार्यालय मध्यप्रदेश द्वारा बड़वानी के राह-वीर ग्राम फत्यापुर निवासी श्री

विकास पिता राकेश पटेल को 25,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। क्या थी घटना? 08 नवंबर 2025 को ग्राम मण्डवाड़ा में एक सड़क दुर्घटना हुई थी, जिसमें ग्राम साकड़ निवासी श्री विक्रम पिता भुवानसिंह डावर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मौके से गुजर रहे श्री विकास पिता राकेश पटेल ने अपने निजी वाहन से घायल व्यक्ति को गोल्डन आवर में सिविल अस्पताल अंजड़ा में उपचार हेतु पहुंचाया।

उनकी इस समयबद्ध मदद के कारण घायल व्यक्ति को समय पर ईलाज मिला एवं उसके कारण उसकी जान बच गई।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी बड़वानी जयति सिंह के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय अप्रेजल कमेटी द्वारा विकास पटेल के नाम का प्रस्ताव राज्य सड़क सुरक्षा समिति (लीड एजेंसी) को भेजा गया था।

कक्षा 11वीं में प्रवेश के लिए आवेदन की तिथि 04 मई तक बढ़ी

धार। जिले के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय गरडावद में सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 11वीं के विभिन्न संकायों में प्रवेश हेतु आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। पूर्व में आवेदन जमा करने की तिथि 28 अप्रैल 2026 निर्धारित थी, जिसे रिक्त सीटों के विरुद्ध पर्याप्त आवेदन प्राप्त न होने के कारण अब बढ़ाकर 04 मई कर दिया गया है।यह प्रवेश प्रक्रिया केवल अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं के लिए है, ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा पेंशन योजनाओं की राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण किया गया

झाबुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मंत्रालय भोपाल से सिंगल क्लिक के माध्यम से सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के अंतर्गत राज्य के 33 लाख से अधिक हितग्राहियों को माह मार्च (पेड इन अप्रैल 2026) की पेंशन राशि 200.71 करोड़ रुपए का अंतरण किया गया।

जिला झाबुआ में कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशन में सिंगल क्लिक कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर कार्यालय झाबुआ में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में उपसंचालक सामाजिक न्याय विभाग श्री पंकज सांवले हितग्राहियों के साथ उपस्थित

रहे। कार्यक्रम के दौरान मार्च माह में स्वीकृत नवीन पेंशन प्रकरणों के स्वीकृति आदेश भी हितग्राहियों को वितरित किए गए।

सिंगल क्लिक के माध्यम से जिला झाबुआ के 63 हजार से अधिक हितग्राहियों को कुल 383.29 लाख रुपए की राशि अंतरित की गई। इस अवसर पर सामाजिक सुरक्षा अधिकारी श्री सुनील कुमार तिवारी एवं श्री प्रियंक पाटीदार सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

05 मई को आयोजित किया जायेगा रोजगार मेला

बड़वानी। मध्यप्रदेश शासन की रोजगारन्मुखी योजनान्तर्गत कलेक्टर श्रीमति जयति सिंह के मार्गदर्शन में जिले के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने हेतु 05 मई को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बड़वानी में युवा संगम रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिला रोजगार अधिकारी श्री टीएस डुडवे से प्राप्त जानकारी अनुसार 05 मई को आयोजित रोजगार मेले में प्रतिभा सिंटेक्स प्रायवेट लिमिटेड पीथमपुर द्वारा 150 महिला एवं पुरूषों की भर्ती प्रशिक्षु आपरेटर के पद पर की जायेगी। इस हेतु 5 वीं उत्तीर्ण 18 से 35 वर्ष तक के युवा आवेदन कर सकते है।

आयुर्वेदिक कॉलेज में टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत जन-जागरूकता सत्र

विद्यार्थियों को दी गई टीबी की जानकारी, 50 छात्र बने निक्षय मित्र

बुरहानपुर। जिले में संचालित 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत एवं कलेक्टर हर्ष सिंह के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीबी की पहचान, जांच एवं उपचार हेतु सतत् कार्य किया जा रहा है। सीएमएचओ डॉ. आर.के. वर्मा के मार्गदर्शन में मंगलवार को पं. शिवनाथ शास्त्री शासकीय स्वशासी आयुर्वेदिक महाविद्यालय, बुरहानपुर में आयुष्मान आरोग्य शिविर एवं जन-जागरूकता सत्र आयोजित

किया गया। सत्र में जिला क्षय अधिकारी डॉ. आशुतोष जोशी द्वारा विद्यार्थियों एवं अधिकारियों को टीबी के लक्षण, बचाव के उपाय एवं उपचार की विस्तृत जानकारी दी गयी। साथ ही बताया गया कि टीबी एक संक्रामक रोग है, जिसका समय पर उपचार संभव है, इसलिए लक्षण दिखाई देने पर तुरंत जांच कराना आवश्यक है। कार्यक्रम में टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत निक्षय शपथ भी दिलाई गई तथा 50 विद्यार्थियों को निक्षय मित्र के रूप में चिन्हित किया गया।

युवाओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर

खरगोन। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिले के युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से युवा संगम (रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिशिप मेला) का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 05 मई को प्रातः 10 बजे से दोपहर 02 बजे तक शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, खरगोन में सम्पन्न होगा। युवा संगम में विभिन्न निजी कम्पनियों द्वारा प्रत्यक्ष भर्ती प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही शासकीय विभागों एवं ऋण प्रदाता संस्थाओं द्वारा स्वरोजगार से संबंधित योजनाओं, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें।

कलेक्टर गुप्ता ने दिए सख्त निर्देश

स्कूल कॉलेजों में रेडक्रॉस को सक्रिय करें

खण्डवा। रेडक्रॉस सोसायटी की बैठक कलेक्टर ऋषव गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार शाम को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई। कलेक्टर गुप्ता ने बैठक में निर्देश दिए कि स्कूल कॉलेजों में जूनियर रेडक्रॉस और यूथ रेडक्रॉस विंग को सक्रिय किया जाए तथा इसके माध्यम से युवाओं को रक्तदान, जल संग्रहण, पर्यावरण संरक्षण, यातायात जागरूकता जैसी गतिविधियों से जोड़ा जाए। बैठक में सहायक कलेक्टर सुश्री शिल्पा चौहान, डिप्टी कलेक्टर सुश्री दीक्षा भगोरे, जिला शिक्षा अधिकारी श्री पी एस सोलंकी के अलावा शासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्य और कार्यकारिणी सदस्य भी मौजूद थे।

बैठक में तय किया गया कि रेडक्रॉस के संस्थापक श्री हेनरी ड्यूनैन्ट के जन्मदिवस पर रक्तदान शिविर एवं जनसेवा के अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। बैठक में बताया गया कि आगामी 2 से 8 मई तक रेडक्रॉस सप्ताह का

आयोजन किया जाएगा । रेडक्रॉस सप्ताह के दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इनमें आगामी 4 मई को स्कूल एवं कॉलेजों के प्राचार्य की बैठक आयोजित होगी, 5 मई को निक्षय मित्रों को फूड बॉस्केट वितरित किए जाएंगे, 6 मई को महिलाओं का जागरूकता शिविर आयोजित होगा, 7 मई को सीपीआर की ट्रेनिंग पुलिस कर्मियों को दी जाएगी, तथा 8 मई को समापन कार्यक्रम आयोजित होगा जिसमें सप्ताह के दौरान सराहनीय गतिविधि करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

इसरो के युविका विज्ञानी कार्यक्रम में चयनित छात्रा का कलेक्टर ने किया सम्मान

झाबुआ। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय थांदला की कक्षा 10वीं की छात्रा कु. आयुषी दातला, पिता रविंद्र दातला का भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित युविका विज्ञानी कार्यक्रम में चयन होने पर कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा सम्मानित किया गया।

यह कार्यक्रम देश के मेधावी विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान, अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रारंभिक स्तर पर प्रोत्साहित एवं प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। छात्रा का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा के आधार पर हुआ है, जो झाबुआ जिले के लिए गौरव एवं उपलब्धि का विषय है।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने छात्रा को शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा कहा कि जिले की प्रतिभाएं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं, जो अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है।

जिला अस्पताल बड़वानी के मरीज की दोनो तरफ छाती में आईसीडी ट्यूब डालकर जान बचाई

बडवानी। 19 अप्रैल को मरीज हिरालाल पिता सेकड़िया सड़क दूर्घटना में घायल होकर जिला अस्पताल के इमरजेंसी ओपीडी में लाया गया। जहां पर ड्युटी डॉक्टर द्वारा मरीज की गंभीर अवस्था होने से मेल सर्जिकल वार्ड में भर्ती किया गया। जहां मरीज का ऑक्सीजन स्तर 84 प्रतिशत था। डॉ. अनिल जामोद शल्य रोग विशेषज्ञ द्वारा मरीज को देखकर तुरंत सीटी स्केन एवं एक्सरे करवाया गया और सर्जिकल एम्फिसिमा आने से मरीज को ऑपरेशन थियेटर में लेकर गये और मरीज की छाती के दोनो तरफ आईसीडी ट्युब डाला गया । ऑपरेशन थियेटर से मरीज को आईसीयू यूनिट में शिफ्ट किया गया जहां नर्सिंग ऑफिसर के द्वारा निरंतर देखभाल की गई एवं धीरे-धीरे मरीज की स्थिती में सुधार आता गया एवं 27 अप्रैल को मरीज की दोनो तरफ छाती से

ट्युब निकाली गई। डॉ. मनोज खन्ना सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला चिकित्सालय बड़वानी के नेतृत्व में डॉ. अनिल जामोद शल्य रोग विशेषज्ञ एवं मेल सर्जिकल वार्ड तथा आईसीयू यूनिट में कार्यरत नर्सिंग ऑफिसर का सहयोग रहा है। मरीज वर्तमान में पूर्ण रूप से स्वस्थ होकर आज 28 अप्रैल को डिस्चार्ज कर दिया गया। परिजनों द्वारा सिविल सर्जन तथा मेल सर्जिकल वार्ड तथा आईसीयू यूनिट टीम के उपरोक्तानुसार नर्सिंग ऑफिसर तथा समस्त स्टॉफ के सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त किया गया।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 वर्ष का सश्रम कारावास

आलीराजपुर। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में जिला एवं सत्र न्यायाधीश,आलीराजपुर ने आरोपी कमलेश पिता मांगुडिया निवासी ग्राम गेंदा पटेल फलिया को दोषी पाते हुए 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। यह सजा आरोपी को 4 सितंबर 2023 की थाना बखतगढ़ क्षेत्र में घटित घटना पर सुनवाई करते हुए सुनाई है। मीडिया सेल की प्रभारी अभियोजन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, आरोपी ने पीड़िता के साथ जबरन दुष्कर्म किया था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे उपार्जन केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण

झाबुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश में उपार्जन केंद्र पर चल रही गेहूँ उपार्जन की प्रक्रिया का आने वाले दिनों में आकस्मिक निरीक्षण करेंगे और किसानों से संवाद कर व्यवस्थाओं की जानकारी लेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव यह भी देखेंगे कि निर्देशानुसार शासन-प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सभी सुविधाएं किसानो को प्राप्त हो रही है या नहीं। किसानों भाइयों के लिये उपार्जन केन्द्रों में उपलब्ध सुविधाएँ उपार्जन केन्द्र पर किसानों की सुविधा के लिए पीने का पानी, बैठने के लिए छायादार स्थान, जन सुविधाएं आदि की व्यवस्थाएं की गई हैं। किसानों को समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय में किसी प्रकार की परेशानी न हो एवं उपज विक्रय के लिए इंतजार न करना पड़े इसके लिये किसानों को जिले के किसी भी उपार्जन केन्द्र पर उपज विक्रय करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

किसानों को गेहूँ की तौल के लिये इंतजार नहीं करना पड़े इस हेतु उपार्जन केन्द्रों में तौल कांटों की संख्या बढ़ाकर 6 कर दी गई है और अधिक तौल कांटे बढ़ाने की सुविधा अब जिलो को दी गई है ।

खंडवा के डायल-112 हीरोज

ट्रेन से गिरकर घायल हुए व्यक्ति को त्वरित सहायता से पहुँचाया अस्पताल

खण्डवा। खंडवा जिले के थाना हरसूद क्षेत्र में डायल-112 जवानों की तत्पर एवं संवेदनशील कार्रवाई से ट्रेन से गिरकर घायल हुए एक व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुँचाकर उपचार उपलब्ध कराया गया। इस त्वरित कार्रवाई से पीड़ित को शीघ्र चिकित्सकीय सहायता मिल सकी। 29 अप्रैल को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112, भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना हरसूद क्षेत्र अंतर्गत चारखेड़ा खुर्द रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति ट्रेन से गिरकर घायल हो गया है। तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही हरसूद थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 एफआरव्ही वाहन को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुँचकर डायल-112 स्टाफ प्रधान आरक्षक श्री वीर सिंह एवं पायलट श्री रोहित ने पाया कि एक व्यक्ति ट्रेन से गिरने के कारण घायल हो गया था।

डायल-112 जवानों ने घायल व्यक्ति को तत्काल एफआरव्ही वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, हरसूद पहुँचाया।

डायल-112 की त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई से पीड़ित व्यक्ति को समय पर उपचार उपलब्ध हो सका। डायल-112 हीरोज ॅश्रृंखला के अंतर्गत यह घटना दर्शाती है कि मध्यप्रदेश पुलिस की

डायल-112 सेवा आपात परिस्थितियों में आमजन की सहायता हेतु सदैव सजग, संवेदनशील एवं प्रतिबद्ध है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में जिलों की समीक्षा बैठक वीसी के माध्यम से सम्पन्न

गेहूं उपार्जन के लिए स्लाट बुकिंग की तिथि 9 मई से बढ़ाकर की गई 23 मई

आलीराजपुर। मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में जिलों की समीक्षा बैठक वीसी के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य,पंचायत एवं ग्रामीण विकास,जनजातीय कार्य विभाग, शिक्षा,सुशासन ,कानून व्यवस्था,खाद्य, नागरिक आपूर्ति, एवं उपभोक्ता संरक्षण, संस्कृति, वन, गृह, श्रम, नगरीय विकास एवं आवास विभाग सहित विभिन्न विभागों के कार्यों एवं उनमें संचालित योजनाओं,कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिले के एनआईसी कक्ष से कलेक्टर नीतू माथुर, पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह भदौरिया,जिला पंचायत सीईओ संघमित्रा गौतम, सहित अन्य विभागीय अधिकारी वीसी से जुड़े।

मुख्य सचिव जैन ने वी.सी.में विद्यार्थियों के स्कूलों में नामांकन शत प्रतिशत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए साथ ही कहा कि कोई भी विद्यार्थी ड्राप आउट ना रहे। आंगनवाडी केंद्रों में 3 से 6 वर्ष तक के सभी बच्चों की जानकारी एप पर अपलोड की जाए। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा में मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सभी असाक्षरों को साक्षर बनाने पर विशेष ध्यान दे। उन्होने ग्राम पंचायतों में नये राजस्व स्त्रोत सृजित करने पर जोर देते हुए कहा कि सभी नल जल योजनाएं सुचारू रूप से संचालित हो और आमजनों को पर्याप्त पेयजल का वितरण सुनिश्चित किया जाए।

मातृ एवं शिशु कल्याण की समीक्षा

मातृ एवं शिशु कल्याण की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने सभी स्वास्थ्य योजनाओं, कार्यक्रमों को ग्राम स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होने कहा, कि सभी नवीन चिहिंत सेम एवं मेम एवं एस.यू.डब्ल्यू श्रेणी के बच्चों का मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम के तहत पंजीयन सुनिश्चित करवाया जाए और उनका नियमित फालोअप भी किया जाए।

मुख्य सचिव ने वी.सी. में मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना की समीक्षा करते हुए इसका चयनित सभी ग्रामों में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने वी.सी. में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन कार्य की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। वी.सी.में बताया गया कि उपार्जन के लिए स्लाट बुकिंग की तिथि 9 मई से बढ़ाकर 23 मई कर दी गई है।

वी.सी. में ज्ञान भारतम मिशन के तहत दुर्लभ, प्राचीन, पाण्डुलिपियों का सर्वेक्षण एवं संकलन कर पोर्टल पर अपलोड करवाने के निर्देश भी सभी जिलो को दिए गये। जनगणना मकान सूचीकरण कार्य को भी सर्वोच्च प्राथमिकता से पूर्ण करवाने के निर्देश सभी जिलों को दिए गए है।

प्रधानमंत्री मोदी ने विश्वनाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना और फिर लहराया त्रिशूल

काशी में भक्ति और शक्ति का संगम

14 किमी रोड शो में उमड़ा जनसैलाब, 108 बटुकों के शंखनाद से गूंजा धाम, फूलों की वर्षा

वाराणसी,(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार सुबह काशी विश्वनाथ मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर काशी दौरे को भक्ति और जनसमर्थन के रंग में रंग दिया। प्रधानमंत्री ने मंदिर के गर्भगृह में करीब 20 मिनट तक पूजा की, जहां पांच पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अनुष्ठान संपन्न कराया। उन्हें माला पहनाई गई और त्रिपुंड लगाया गया। मंदिर परिसर से बाहर निकलते ही भाजपा नेताओं ने प्रधानमंत्री को त्रिशूल और डमरू भेंट किया।

पीएम मोदी ने त्रिशूल उठाकर लहराया, जो वहां मौजूद श्रद्धालुओं और कार्यकर्ताओं के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया। इस दौरान डमरू बजाकर और शंखनाद के साथ उनका स्वागत किया गया। गेट पर 108 बटुकों ने एक साथ शंखनाद कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इससे पहले संसदीय क्षेत्र वाराणसी में प्रधानमंत्री मोदी का 14 किलोमीटर लंबा भव्य रोड शो आयोजित हुआ। जगह-जगह लोगों ने फूल बरसाकर उनका स्वागत किया। भाजपा कार्यकर्ता ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते नजर आए। प्रधानमंत्री मोदी ने हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। मंदिर में उन्होंने बच्चों से मुलाकात कर उनसे संवाद भी किया।

एक दशक में पीएम का 54वां दौरा

प्रधानमंत्री मोदी का यह काशी का 11 वर्षों में 54वां दौरा है, जबकि 2026 का यह पहला दौरा माना जा रहा है। इससे पहले वे नवंबर 2025 में यहां आए थे। दौरे के पहले दिन उन्होंने 6,350 करोड़ रुपये की 163 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसके अलावा उन्होंने नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में हिस्सा लिया, जिसमें करीब 50 हजार महिलाएं शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने महिला सशक्तिकरण को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा।

पश्चिम बंगाल चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के बीच कई जगह हिंसक झड़पें

कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के बीच नादिया, हावड़ा और दक्षिण 24 परगना समेत कई जगह हिंसक झड़पें होने की खबर है। पानीहाटी में बीजेपी-टीएमसी समर्थकों के बीच हाथापाई हुई। जानकारी के मुताबिक बसंती में बीजेपी उम्मीदवार की गाड़ी में तोड़फोड़ की गई, जिससे वहां तनाव की स्थिति बनी। यह घटना बूथ नंबर 76 पर हुई। सूत्रों के मुताबिक जब उम्मीदवार पोलिंग बूथ का मुआयना करने गए, तो कुछ लोगों ने उन पर हमला कर दिया। इस घटना के दौरान उनकी गाड़ी में भी तोड़फोड़ की गई। उनके सुरक्षाकर्मियों से हथियार छीनने की कोशिश की गई। आरोप है कि केंद्रीय बलों की मौजूदगी के बावजूद सुरक्षाकर्मियों ने स्थिति को नियंत्रित करने या बचाव कार्य में मदद करने के लिए कोई दखल नहीं दिया। इस घटना के कारण इलाके में तनाव और बढ़ गया है।

एक ही मतदान केंद्र पर आमने-सामने आए ममता और सुवेंदु

भवानीपुर,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में कोलकाता के भवानीपुर में एक दिलचस्प राजनीतिक पल देखने को मिला, जब सीएम ममता बनर्जी और बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी एक ही समय वार्ड नंबर 73 के एक मतदान केंद्र पर पहुंचे। हालांकि दोनों नेताओं के बीच कोई बातचीत नहीं हुई, लेकिन उनकी एक साथ मौजूदगी ने चुनावी माहौल को और गरमा दिया। यह घटना उस समय हुई जब बुधवार सुबह दक्षिण बंगाल की 142 सीटों पर मतदान जारी है। भवानीपुर इस चुनाव में सबसे चर्चित सीटों में से एक है, जहां मुकाबला मुख्य रूप से सत्तारूढ़ टीएमसी और बीजेपी के बीच है। भवानीपुर सीट का राजनीतिक महत्व इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि यह ममता बनर्जी का पारंपरिक गढ़ रहा है। इसको ध्यान में रखते हुए बीजेपी ने यहां से सुवेंदु अधिकारी को मजबूत चुनौती के रूप में उतारा है। सुवेंदु नंदीग्राम सीट से भी चुनाव लड़ रहे हैं, जहां उन्होंने 2021 के विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी को हराया था। नंदीग्राम में पहले चरण में मतदान हो चुका है। भवानीपुर का यह मुकाबला नंदीग्राम की चुनावी टक्कर का 'रीमैच' माना जा रहा है। बता दें सुवेंदु पहले ममता बनर्जी के करीबी सहयोगी और शिष्य थे, लेकिन 2021 चुनाव से पहले उन्होंने टीएमसी छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए थे।

अंग्रेजों के जमाने में कृषि-पशुओं को संरक्षण ?

1935 में भारत में हुई थी पशुओं की गणना

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देश में इन दिनों जनगणना को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। अंग्रेजों ने विभिन्न स्तर पर जनगणना के लिए भारत सरकार अधिनियम 1935 के तहत जनगणना का काम पहली बार हिंदुस्तान में किया। विभिन्न आधार पर कई तरह से विस्तृत गणना 1935 में की गई थी। इसके आंकड़ों के आधार पर विकास का मॉडल एवं योजनाएं बनाने का काम शुरु किया था। भारत में पशुधन हमेशा से ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहा है। वर्ष 1935 की जनगणना के आंकड़े इस बात का स्पष्ट संकेत देते हैं कि उस समय देश के विभिन्न प्रांतों में गाय, भैंस, भेड़, बकरी और अन्य पशुओं को गणना में शामिल किया गया जो कृषि और परिवहन का प्रमुख आधार थे।

उस दौर में संयुक्त राज्य (वर्तमान उत्तर प्रदेश क्षेत्र) में सबसे अधिक लगभग 32,470 गाय-भैंस दर्ज की गई, जबकि बंगाल और मद्रास जैसे प्रांत भी पशुधन संपदा में समृद्ध थे। 1935 की पशु गणना के आंकड़ों के अनुसार, बंगाल में लगभग 25,287 गाय-भैंस और 6,049 भेड़-बकरियां थीं, वहीं मद्रास में 24,607 गाय-भैंस और 11,701 भेड़-बकरियों की संख्या दर्ज की गई। पंजाब और बम्बई प्रांत भी पशुधन के मामले में समृद्ध थे। उस समय हल और गाड़ियों की संख्या भी काफी अधिक थी, जो दर्शाती है कि कृषि पूरी तरह पशुओं पर निर्भर थी।

चारागाहों की कमी से पशुधन पर बढ़ा दबाव

वर्तमान परिदृश्य में भारत में पशुधन की भूमिका बरकरार है, उसका स्वरूप बदल चुका है। अब ट्रैक्टर और आधुनिक मशीनों ने हल और बैलगाड़ियों की जगह ले ली है, जबकि डेयरी उद्योग और पोल्ट्री फार्मिंग तेजी से विकसित हुए हैं। आज भारत दुनिया के सबसे बड़े दुग्ध उत्पादक देशों में शामिल है, जहां पशुपालन केवल खेती का सहायक साधन नहीं बल्कि एक स्वतंत्र उद्योग बन चुका है। हालांकि, बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण और चरागाहों की कमी के कारण पशुधन पर दबाव भी बढ़ा है। विशेषज्ञों का मानना है, संसाधनों का उपयोग एवं वर्गीकरण सही तरीके से होगा। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिल सकती है। 1935 के आंकड़े न केवल इतिहास की झलक देते हैं, बल्कि वर्तमान नीतियों और भविष्य की योजनाओं के लिए भी महत्वपूर्ण आधार प्रदान करते हैं। वर्ष 2026 की जनगणना में सरकार को पालतू पशुओं को भी गणना में शामिल किया जाना चाहिए। आबादी और पशुधन को भी जाति-वर्ग के आधार पर शामिल किया जाए, इससे भारत का सामाजिक एवं आर्थिक विकास तेज होगा।

फटाफट खबरें

नए शांति प्रस्ताव के लिए और चाहिए वक्त : ईरान

तेहरान,(ईएमएस)। वेस्ट एशिया में युद्ध की आहट भले ही कुछ धीमी पड़ती नजर आ रही हो, लेकिन जमीनी स्तर पर तनाव अब भी चरम पर है। ईरान और अमेरिका के बीच संभावित शांति समझौते को लेकर एक बार फिर अनिश्चितता की स्थिति बन गई है। तेहरान ने स्पष्ट संकेत दिया है कि संशोधित शांति प्रस्ताव पेश करने से पहले उसे और अधिक समय की आवश्यकता है, क्योंकि इस पर अंतिम मुहर ईरान के सुप्रीम लीडर द्वारा लगाई जानी है। इस देरी ने कूटनीतिक समाधान की प्रक्रिया को फिलहाल सुस्त कर दिया है, हालांकि पर्दे के पीछे बातचीत का सिलसिला अब भी जारी है। पाकिस्तान समेत अन्य मध्यस्थ देशों को उम्मीद थी कि ईरान जल्द ही नया प्रस्ताव साझा करेगा, लेकिन तेहरान ने आंतरिक विचार-विमर्श और रणनीतिक सुझावों का हवाला देते हुए मोहलत मांगी है।

पाक पेट्रोलियम मंत्री ने भारत से तुलना कर बयां किया दर्द

इस्लामाबाद(ईएमएस)। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध और बढ़ते तनाव ने न केवल वैश्विक ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है, बल्कि कई देशों की अर्थव्यवस्था को घुटनों पर ला दिया है। इस भू-राजनीतिक अस्थिरता के बीच पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली मलिक ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए देश की चरमराई व्यवस्था की पोल खोल दी है। उन्होंने स्वीकार किया कि पाकिस्तान के पास एक दिन का भी 'रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार' (एसपीआर) नहीं बचा है, जो किसी भी आपातकालीन स्थिति में देश की जीवन रेखा होता है। एक साक्षात्कार के दौरान अली मलिक ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान में पाकिस्तान के पास केवल पांच से सात दिनों का ही वाणिज्यिक कच्चा तेल उपलब्ध है।

दो सुरक्षाकर्मियों पर हमले में बड़ा खुलासा

मुंबई,(ईएमएस)। मुंबई में मीरा रोड इलाके दो सुरक्षाकर्मियों पर हुए चाकू से हमले मामले में जांच में सबसे बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस पूछताछ में पता चला कि 31 साल का जैब जुबेर अंसारी पढ़ा लिखा है। पूछताछ में हमले का आंतकी कनेक्शलन की संभावना दिख रही है। इस वजह से पुलिस बारीकी से पड़ताल कर रही है। पूछताछ में उसने बताया कि ये वारदात अचानक में नहीं की है। प्लाकन तरीके से पूरी घटना को अंजाम दिया गया है। मुंबई पुलिस के मुताबिक अंसारी ने रविवार देर रात घर से निकलकर काफी देर तक इलाके की सड़कों पर घूमता रहा और योजन को अंजाम देने के लिए टारगेट की तलाश करता रहा। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह राजकुमार मिश्रा और सुब्रतो सेन के धर्म की पुष्टि करना चाहता था।

गंगा एक्सप्रेसवे : बाइक-ट्रैक्टर को भी देना होगा टोल टैक्स

एक्सप्रेसवे की लंबाई बढ़कर 1910 किमी होगी

लखनऊ(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के विकास पथ पर आज एक नए स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। प्रदेश के लोग इस अत्याधुनिक मार्ग पर फर्राटा भर सकेंगे। 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे शुरू होते ही न केवल मेरठ से प्रयागराज की दूरी को घंटों कम कर देगा, बल्कि उत्तर प्रदेश देश के कुल एक्सप्रेसवे नेटवर्क में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ 'एक्सप्रेसवे प्रदेश' के रूप में अपनी वैश्विक पहचान को और सुदृढ़ करेगा। गंगा एक्सप्रेसवे के चालू होने से राज्य में संचालित एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई बढ़कर 1910 किलोमीटर हो जाएगी।

एक्सप्रेसवे पर टोल टैक्स की दरें भी घोषित की गई

प्रशासन ने लोकार्पण से ठीक पहले सफर के लिए टोल टैक्स की दरें भी घोषित कर दी हैं। इस एक्सप्रेसवे की खास बात यह है कि यहां दो पहिया वाहनों और ट्रैक्टरों को भी टोल देना होगा। टोल दरों के अनुसार, बाइक और ट्रैक्टर के लिए 1.28 रुपये प्रति किलोमीटर की दर तय की गई है। वहीं कार, जीप और वैन जैसे हल्के वाहनों को 2.55 रुपये, बस और ट्रक को 8.20 रुपये, जबकि भारी निर्माण मशीनरी और विशाल वाहनों को 12.60 से 16.10 रुपये प्रति किलोमीटर तक का भुगतान करना होगा। एक्सप्रेसवे पर वाहनों की अधिकतम रफ्तार 120 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है।

ओपेक से यूएई का बाहर होना भारत के लिए वरदान

नई दिल्ली,(ईएमएस)। प्रमुख तेल निर्यातक देशों के संगठन 'ओपेक' से बाहर निकलने का यूएई का हालिया फैसला भारत के लिए एक बड़ी रणनीतिक और आर्थिक खुशखबरी लेकर आया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम लंबी अवधि में भारत के लिए सस्ता तेल प्राप्त करने का एक ऐतिहासिक अवसर पैदा कर सकता है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ने से कीमतों में गिरावट आने की संभावना प्रबल हो गई है, जिसका सीधा लाभ भारत जैसे बड़े आयातक देश को मिलेगा। दरअसल, ओपेक संगठन तेल की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सदस्य देशों पर उत्पादन का कोटा लागू करता है। यूएई ने अपनी तेल उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए अरबों डॉलर का निवेश किया है।

मास्को में एक निर्माण स्थल पर लगी आग बुझाते हुए दमकलकर्मी। -फोटो-ईएमएस

जहां दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति वहां केजरीवाल की हुई जीत

भाजपा का नहीं चला जादू

गांधीनगर,(ईएमएस)। गुजरात के निकाय चुनावों में भाजपा ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखते हुए विपक्ष का लगभग सूपड़ा साफ कर दिया है। शहरी क्षेत्रों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक भाजपा की लहर स्पष्ट रूप से दिखाई दी और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस कहीं भी मुकाबले में नजर नहीं आई। हालांकि, भाजपा की इस प्रचंड जीत के बीच आदिवासी बहुल नर्मदा जिले से आए नतीजों ने सभी को चौंका दिया है। यहाँ आम आदमी पार्टी ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए भाजपा के विजय रथ को न केवल रोका, बल्कि जिला पंचायत पर कब्जा भी कर लिया।

नर्मदा जिले की यह जीत इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि यहीं दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' स्थित है। भाजपा जहाँ इस प्रतिमा के माध्यम से क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक बदलाव का दावा करती रही है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने महिला को दी 2046 की तारीख

मुंबई,(ईएमएस)। बॉम्बे हाईकोर्ट में एक अनोखा और हैरान कर देने वाला मामला सामने आया। मुंबई की एक सोसायटी में रहने वाली 90 साल की बुजुर्ग महिला को सोसायटी के सदस्यों पर इतना गुस्सा आया कि उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट में मानहानि का मामला दायर कर दिया। इतना ही नहीं बहुत समझाने और सदस्यों के माफी मांगने के बाद भी वे नहीं मानी और केस लड़ने पर अड़ी रहीं। आखिरकार थककर हाईकोर्ट ने बुजुर्ग महिला को 20 साल आराम करने की सलाह दी और कहा कि उनका केस साल 2046 के बाद सुना जाएगा। मामला मुंबई की एक सोसायटी का है। अपनी बेटी के साथ रह रही 90 साल की बुजुर्ग महिला ने अपने सोसाइटी के पुराने मैनेजिंग कमिटी के सदस्यों पर 20 करोड़ का मानहानि का मुकदमा दायर किया है।

राहुल गांधी ने ग्रेट निकोबार द्वीप घूमा...

परियोजना विकास नहीं, बल्कि विकास की भाषा में छिपा विनाश

नई दिल्ली,(ईएमएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को ग्रेट निकोबार द्वीप के दौरे का वीडियो शेयर किया और केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने केंद्र की 'ग्रेट निकोबार द्वीप विकास' परियोजना पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह विकास नहीं, बल्कि विकास की भाषा में छिपा विनाश है। राहुल गांधी वीडियो में ग्रेट निकोबार द्वीप के जंगल में घूमते नजर आए। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, आज मैंने ग्रेट निकोबार की यात्रा की। ये मेरी जिंदगी के सबसे अनोखे जंगल हैं।

ऐसे पेड़ जो हमारी यादों से भी पुराने हैं। ऐसे जंगल जिन्हें उगने में कई पीढ़ियां लग गईं। इस द्वीप के लोग भी उतने ही खूबसूरत हैं, चाहे वे आदिवासी समुदाय हों या वहां बसने वाले लोग, लेकिन उनसे वह सब छीना जा रहा है जिस पर उनका हक है। उन्होंने पोस्ट में लिखा- सरकार यहां जो कर रही है, उसे वह 'प्रोजेक्ट' कहती है, लेकिन मैंने जो देखा, वह कोई प्रोजेक्ट नहीं है। यह लाखों पेड़ों को काटने की तैयारी है।

यह 160 वर्ग किलोमीटर का वर्षावन है जिसे खत्म होने के लिए छोड़ दिया गया है। ये ऐसे समुदाय हैं जिनकी अनदेखी की गई, जबकि उनके घर उनसे छीन लिए गए। यह विकास नहीं है। यह तो विकास की भाषा में छिपा हुआ विनाश है। उन्होंने कहा कि ग्रेट निकोबार में जो कुछ हो रहा है।

इंस्पेक्टर बनकर संचालकों से कर रहा था अवैध वसूली

करनाल,(ईएमएस)। हरियाणा के करनाल में शातिर ठग का भंडाफोड़ हुआ है जो अपने को लीगल मैट्रोलॉजी का इंस्पेक्टर बताकर व्यापारियों और फैक्ट्री संचालकों से अवैध वसूली करता था। आरोपी न केवल फर्जी चालान काट रहा था, बल्कि उसने विभाग के नाम की फर्जी मोहर और पैड भी बनवा रखे थे। इसका खुलासा तब हुआ जब आरोपी सुप्रीम कूलर फैक्ट्री में छापा डालने पहुंचा। फैक्ट्री संचालक ने जब तौल का काम न होने की बात कही, तो आरोपी बहस करने लगा और कार्रवाई की धमकी देते हुए चालान काट दिया। शक होने पर जब संचालक ने सख्ती से पूछताछ की और लाइसेंस मांगा, तो पता चला कि आरोपी के पास केवल 'कांटे रिपेयर' करने का लाइसेंस है, न कि निरीक्षण या चालान काटने का।

भूमि अधिग्रहण जैसी दिखने वाली समस्याएं आर्थिक नुकसान का कारण बनती हैं: गडकरी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि निर्णय लेने में देरी, कमजोर योजना और जवाबदेही की कमी ही परियोजनाओं के समय पर पूरा न होने के मुख्य कारण हैं। भूमि अधिग्रहण जैसी छोटी दिखने वाली समस्याएं और अनुमति मिलने में देरी भी बड़े आर्थिक नुकसान का कारण बनती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि इन बुनियादी समस्याओं को समय रहते हल किया जाए तो परियोजनाओं की लागत और समय दोनों को नियंत्रित किया जा सकता है।

नई दिल्ली में आयोजित इंफ्रास्ट्रक्चर सम्मेलन और अचीवर्स अवार्ड्स 2026 में देश के बुनियादी ढांचा क्षेत्र से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई। गडकरी ने इसी कार्यक्रम में बोलते हुए ये बातें कही। एसोचैम द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और उन्होंने परियोजनाओं में देरी तथा बढ़ती लागत के कारणों पर स्पष्ट रूप से अपनी बात रखी। गडकरी ने गुणवत्ता के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि कई बार ठेकेदार घटिया काम करते हैं लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती।

गिरफ्तारी वारंट से नाराज इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा....

आईसीसी एक भ्रष्ट-नैतिक रूप से दिवालिया संस्था, इसे करें बंद

तेल अवीव,(ईएमएस)। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू इन दिनों इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) से नाराज है। नेतन्याहू ने मंगलवार को कहा कि आईसीसी एक भ्रष्ट और नैतिक रूप से दिवालिया संस्था है, जिसे अब बंद कर दिया जाना चाहिए। उनका गुस्सा इस वजह से भी है, क्योंकि गाजा पर हमले के बाद नवंबर 2024 में आईसीसी ने पीएम नेतन्याहू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जिस वक्त आईसीसी ने नेतन्याहू की गिरफ्तारी का वारंट जारी किया था।

उस समय हंगरी में विपक्ष के नेता पीटर मग्यार ने कहा था कि अगर नेतन्याहू हंगरी की धरती पर कदम रखते हैं, तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। यह इजराइल के लिए एक बड़ा झटका था क्योंकि हंगरी को अब तक इजराइल का करीबी माना जाता रहा है। तब सवाल ये भी उठा था कि क्या आईसीसी के वारंट पर पीएम नेतन्याहू को वाकई गिरफ्तार किया जा सकता है, या फिर यह सिर्फ एक अंतरराष्ट्रीय कानूनी दांव-पेंच है?

आईसीसी के पास अपनी कोई पुलिस नहीं है। वह अपने फैसलों को लागू करने के लिए सदस्य देशों पर निर्भर रहती है। नेतन्याहू की बंद करने वाली मांग के पीछे का असली दर्द यही है कि यह वारंट उनके अंतरराष्ट्रीय दौरों पर विराम लगा सकता है। फिलहाल इजराइल और उसके समर्थक देश इस कोर्ट की साख पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि मानवाधिकार संगठन इसे न्याय की जीत बता रहा हैं।

आईसीसी के पास अपनी पुलिस नहीं

दुनिया की क्राइम ब्रांच समझ लीजिए। 2002 में बनी यह संस्था उन लोगों पर मुकदमा चलाती है जिन्होंने नरसंहार, युद्ध अपराध या मानवता के खिलाफ बड़े अपराध किए हों। इसका मुख्यालय नीदरलैंड में है। रिपोर्ट के मुताबिक तकनीकी रूप से हां, लेकिन व्यवहारिक रूप से बहुत मुश्किल। आईसीसी के पास अपनी पुलिस नहीं है। अगर नेतन्याहू किसी ऐसे देश में जाते हैं जो आईसीसी का सदस्य है, जैसे हंगरी, ब्रिटेन या फ्रांस, तो उस देश की कानूनी जिम्मेदारी बनती है कि वह उन्हें गिरफ्तार करे। यह किसी चंदे पर नहीं चलता। इसके करीब 124 देश सदस्य हैं जो अपनी आर्थिक क्षमता के हिसाब से इसमें योगदान देते हैं। जापान, जर्मनी और फ्रांस जैसे देश इसके सबसे बड़े फंडर्स में शामिल हैं। दुनिया के तीन बड़े ताकतवर देश अमेरिका, रूस और चीन इसके सदस्य नहीं हैं। भारत भी इसका सदस्य नहीं है। इजराइल ने भी इस संधि पर दस्तखत नहीं किए हैं।

खिताब बचाने की चुनौती और नए दावेदारों की दस्तक से रोमांच चरम पर, बालवाड़ी स्टेडियम में आज से शुरू होगा घमासान

नेशनल मास्टर्स टेबल टेनिस : दूसरे चरण में दिखेगा दिग्गजों का दमखम, दांव पर लगेगी साख

पुणे (ईएमएस)। बालवाड़ी इंडोर स्टेडियम में जारी 32वीं नेशनल मास्टर्स टेबल टेनिस चैंपियनशिप अब अपने सबसे रोमांचक और निर्णायक दौर में पहुँच गई है। गुरुवार से शुरू हो रहे दूसरे चरण में कोर्ट पर खिलाड़ियों के अनुभव और जोश का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। 40+, 45+, 50+ और 55+ आयु वर्ग के दिग्गज पैडलर्स इंदौर में पिछले साल मिली उपलब्धियों को दोहराने और आगे बढ़ने के संकल्प के साथ एक बार फिर टेबल के सामने होंगे।

चैंपियनशिप में डिफेंडिंग चैंपियंस पर अपने खिताब की रक्षा करने का भारी दबाव होगा। हालांकि, असली दिलचस्प मुकाबला उन खिलाड़ियों के बीच देखने को मिलेगा, जो पिछली बार रजत या कांस्य पदक से चूक गए थे। इस बार उनकी निगाहें सीधे स्वर्ण पदक पर हैं। खिलाड़ियों का कहना है कि प्रतिस्पर्धा इतनी कड़ी है कि पिछले टूर्नामेंटों के परिणाम यहाँ कोई मायने नहीं रखते। हर मैच यहाँ एक नई चुनौती के रूप में सामने आएगा।

पुरुषों के 40+ वर्ग में तेलंगाना बतौर डिफेंडिंग चैंपियन है, जिसने पिछले संस्करण में महाराष्ट्र को कड़ी टक्कर देकर खिताब जीता था। वहीं, तमिलनाडु और आयए एवं एडी भी खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में उभरे हैं। उधर, 50+ वर्ग में गुजरात अपने ताज की रक्षा के लिए उतरेगा, जबकि आरबीआई और दिल्ली जैसे खिलाड़ी पिछली बार की कसर पूरी करने के लिए बेताब हैं।

नए प्रारूप से बड़ा रोमांच

इस बार चैंपियनशिप में 45+ और 55+ आयु वर्गों को शामिल किए जाने से इसका दायरा और विस्तृत हो गया है। हालांकि इस विस्तार ने पारंपरिक श्रेणियों के प्रतिभा संतुलन को बदला है, लेकिन इससे खिलाड़ियों को अपनी योग्यता साबित करने का नया मंच भी मिला है। बढ़ी हुई भागीदारी के कारण पुरुषों की टीम स्पर्धाओं में अब आठ ग्रुप बनाए गए हैं, जहाँ से शीर्ष दो टीमें ही मुख्य ड्रॉ में जगह बना पाएंगी। वहीं, महिला वर्ग में मुकाबले अधिक संक्षिप्त होंगे, जहाँ क्रॉस सेमीफाइनल और राउंड-रोबिन फॉर्मेट के जरिए विजेताओं का निर्धारण होगा।

पांच दिनों तक दिखेगा व्यक्तिगत कौशल

टीम स्पर्धाओं के अलावा, अगले पांच दिनों तक सिंगल्स और डबल्स मुकाबले दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेंगे। भारतीय वेटरन टेबल टेनिस सर्किट के इस महाकुंभ में अनुभव और महत्वाकांक्षा का जो समन्वय देखने को मिल रहा है, उससे पूरे स्टेडियम का माहौल गरमाने की उम्मीद है।

परिणीति चोपड़ा का पुराना वीडियो खूब हो रहा वायरल

हाल ही में राघव चड्ढा राजनीतिक गलियारों में उस वक्त सुर्खियों में आ गए, जब वे आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए। उनके साथ ही स्वाति मालीवाल, हरभजन सिंह, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, राजिंदर गुप्ता और विक्रम साहनी जैसे कई अन्य प्रमुख चेहरे भी भाजपा में शामिल हुए हैं। इस राजनीतिक उथल-पुथल के बीच, परिणीति चोपड़ा का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह खुले तौर पर यह कहती हुई दिख रही हैं कि वह कभी किसी राजनेता से शादी नहीं करेंगी। यह वायरल वीडियो एक फिल्म के प्रमोशन के दौरान का है, जब परिणीति चोपड़ा से उनके आदर्श जीवनसाथी और शादी की पसंद के बारे में पूछा गया था। उस समय, अभिनेत्री ने एक हॉलीवुड एक्टर का नाम लिया था, जिसे वह अपने पार्टनर के रूप में देखती थीं। जब उनसे विशेष रूप से यह सवाल किया गया कि क्या वह किसी राजनेता से शादी करेंगी, तो परिणीति ने स्पष्ट शब्दों में कहा था, समस्या ये है कि मैं किसी भी पॉलिटिशयन से शादी नहीं करना चाहती। बहुत सारे अच्छे ऑप्शन हैं, लेकिन मैं कभी किसी पॉलिटिशियन से शादी नहीं करना चाहती। उनका यह बयान अब राघव चड्ढा के भाजपा में शामिल होने के बाद एक बार फिर चर्चा का विषय बन गया है, क्योंकि उनके जीवन की वर्तमान वास्तविकता उनके पुराने बयान से बिल्कुल उलट है।

बारहसिंगा

चौबीस अप्रैल दो हजार छब्बीस को बाड़मेर के आंचल सिनेमा में बॉलीवुड फिल्म बारहसिंगा रिलीज की गई। चौबीस अप्रैल की शाम छह बजे प्रीमियर शो रखा गया। प्रीमियर में कई स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की और फिल्म देखी। दर्शकों ने खुले दिल से फिल्म के कथानक, निर्देशन और कलाकारों के अभिनय की सराहना की। बाड़मेर के गणमान्य लोगों ने कलाकारों को ट्रॉफियां देकर सम्मानित किया । इस फिल्म को जल्द ही राजस्थान के अन्य शहरों और पूरे भारत में रिलीज करने की तैयारी है। खास बात यह है कि यह फिल्म बाड़मेर में ही बनाई गई है। फिल्म के निर्माता आर.एस. शर्मा, निर्देशक राजीव रंजन दास, छायाकार दुर्गेश शर्मा और संपादक संजय दास हैं। कई सालों बाद राजस्थान की मिट्टी में बनी यह फिल्म स्थानीय कलाकारों के कारण खास आकर्षण का केंद्र बनी है। स्कूल, कॉलेज में फिल्म का सकारात्मक संदेश तेजी से फैला है। बच्चे लाइन लगाकर टिकट लेकर फिल्म देखने आ रहे हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने खुद पहले फिल्म देखी, सराहा और फिर बच्चों को दिखाने की अनुमति दी। फिल्म पढ़ाई, माता-पिता, देश के प्रति आस्था और आखिरी सांस तक अपने लक्ष्य के लिए लड़ते रहने का संदेश देती है। मुख्य किरदार शेखर अपने बच्चे का करियर बनाने के लिए जो संघर्ष करता है, उससे बच्चे गहराई से जुड़ जाते हैं। जीत के हर दृश्य पर थिएटर में तालियां बजती हैं। फिल्म खत्म होने के बाद कई महिलाओं ने कहा कि यह सच्ची कहानी पर आधारित फिल्म देखकर उनकी आंखें नम हो गईं। बाड़मेर में फिल्म की खूब चर्चा है। पूरे राजस्थान से प्रतिक्रिया आ रही है कि सालों बाद ऐसी देखने लायक फिल्म बनी है। माउथ पब्लिसिटी से फिल्म का प्रचार बढ़ रहा है।

खलनायक 2 के बाद अब ताल 2 की स्क्रिप्ट भी तैयार

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त अभिनीत ब्लॉकबस्टर फिल्म खलनायक के सीक्वल खलनायक 2 को लेकर चर्चाएं गर्म हैं, वहीं अब साल 1999 की म्यूजिकल सुपरहिट फिल्म ताल के सीक्वल को लेकर भी बड़ा अपडेट मिला है। हाल ही में फिल्म के दिग्गज निर्देशक सुभाष घई ने पुष्टि की है कि ताल 2 की स्क्रिप्ट लगभग तैयार है और इस परियोजना पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। यह खबर सिर्फ पुराने फैंस के लिए ही नहीं, बल्कि नई पीढ़ी (जेन-जी) के दर्शकों के लिए भी उत्सुकता का विषय बन गई है, जो इस क्लासिक को फिर से बड़े पर्दे पर देखने की मांग कर रहे हैं। साल 1999 में रिलीज हुई ताल हिंदी सिनेमा की उन चुनिंदा फिल्मों में से एक है, जिसने संगीत, रोमांस और विजुअल स्टाइल के मामले में एक नया मानक स्थापित किया था। सुभाष घई के निर्देशन में बनी इस फिल्म में ऐश्वर्या राय बच्चन, अक्षय खन्ना और अनिल कपूर ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं, और इसका संगीत आज भी लोगों की जुबान पर है।

गीता बसरा ने बांधे दिलजीत दोसांझ के तारीफों के पुल

मशहूर गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के करिश्माई व्यक्तित्व को देखते हुए पंजाबी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री गीता बसरा ने उन्हें मनोरंजन का फुल पैकेज बताया है। दिलजीत के कॉन्सर्ट के टिकट मिनटों में बिक जाते हैं और सोशल मीडिया पर उनकी हर अदा पर फैंस जान छिड़कते हैं। पंजाबी आइकन अवॉर्ड्स 2026 के दौरान, गीता बसरा ने आईएएनएस के साथ अपनी बातचीत में दिलजीत के प्रति अपनी दीवानगी जाहिर की और उन्हें अपना ऑल-टाइम फेवरेट पंजाबी कलाकार बताया। गीता ने दिलजीत की खूबियों पर बात करते हुए कहा कि वह एक साथ कई प्रतिभाओं के धनी हैं। उन्होंने कहा, दिलजीत सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेता ही नहीं बल्कि एक शानदार गायक भी हैं। उनकी आवाज में वो जादू है, जो सीधे दिल तक पहुंचती है। वह एक लाजवाब सिंगर होने के साथ-साथ एक कमाल के एंटरटेनर भी हैं। सही मायनों में देखा जाए तो वह मनोरंजन का एक फुल पैकेज हैं, जो हर मंच पर अपना सौ प्रतिशत देते हैं। गीता बसरा ने इस बात पर भी जोर दिया कि दिलजीत ने पंजाबी संस्कृति और संगीत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दी है। वे कहती हैं, जिस तरह से दिलजीत ने ग्लोबल लेवल पर अपना नाम बनाया है, वैसा कारनामा अब तक बहुत कम कलाकार कर पाए हैं।

दर्शकों के प्यार से भावुक हुए शीज़ान

शो 'गंगा माई की बेटियां', में सिद्धू एवं स्नेहा के अलगाव वाला ट्रैक सबसे ज्यादा चर्चा में है। स्नेहा अपने रिश्ते से ज्यादा अपने सपनों को चुनते हुए सिद्धू से अलग होने का फैसला करती है। इसके बाद सिद्धू का टूटना, उसका दर्द एवं उसकी बेबसी ने दर्शकों के दिल को गहराई से छुआ है। इन सीन में शीज़ान की दिल से की गई अदाकारी को खूब सराहा गया है। इस ट्रैक को याद करते हुए एक्टर ने बताया कि शूटिंग के दौरान उनकी आंखों में आंसू आ गए थे और पहली बार उन्हें स्क्रीन पर इस तरह के टूटे हुए एवं गहरे जज़्बात निभाने का मौका मिला।

मॉडर्न कंटेंट और फ़ैमिली व्यूइंग के बीच संतुलन ज़रूरी

एक्टर शिवम खजूरिया, शो 'अनुपमा' में 'प्रेम' का किरदार निभाते हैं, का मानना है कि बदलते कंटेंट के दौर में, दर्शकों से जुड़ाव और फ़ैमिली-फ़्रेंडली कहानी कहने के बीच एक सही संतुलन होना ज़रूरी है–और उन्हें लगता है कि Directors Kut Productions ने वह सही संतुलन पा लिया है।प्रोडक्शन हाउस की डिजिटल पहलों पर अपने विचार साझा करते हुए, वह कहते हैं, 'मैं पिछले कुछ समय से Directors Kut के YouTube चैनल को फ़ॉलो कर रहा हूँ, और मुझे सच में लगता है कि इशिका शाही जिस तरह का कंटेंट बना रही हैं, वह बहुत ही शानदार काम है। 'टेलीविज़न और OTT के बीच के अंतर को बताते हुए, शिवम समझाते हैं, 'मुझे हमेशा से लगता था कि इन दोनों के बीच एक कमी है। टेलीविज़न पर, आप अपने परिवार के साथ आराम से शो देख सकते हैं, लेकिन आज के नए ज़माने के दर्शक हमेशा उस कंटेंट से जुड़ाव महसूस नहीं कर पाते।

कलाकारों को केवल मनोरंजन का साधन ना समझे : कैलाश खेर

हाल ही में सूफी अंदाज में गायन के लिए मशहूर गायक कैलाश खेर ने कहा कि कलाकारों को केवल मनोरंजन का साधन या जोकर नहीं समझा जाना चाहिए। उन्होंने इस तरह की मांगों को अनुचित बताया और संगीतकारों की तुलना अन्य क्षेत्रों के सम्मानित पेशेवरों से की, जिससे उनकी बात में और वजन आ गया। कैलाश खेर हाल ही में दिल्ली में आयोजित एक प्रतिष्ठित अवॉर्ड शो के मंच पर अपनी बेबाक राय व्यक्त कर चर्चा में आ गए हैं। जब उनसे समारोह में कुछ पंक्तियाँ गाने की गुजारिश की गई, तो उन्होंने न सिर्फ विनम्रता से इनकार किया, बल्कि आयोजकों और कार्यक्रम में उपस्थित दर्शकों को भी एक महत्वपूर्ण नसीहत दी। अपने शब्दों में जोर देते हुए कैलाश खेर ने कहा, यह वैसा ही है जैसे आप किसी महान क्रिकेटर, जैसे सचिन तेंदुलकर, से कहें कि ज़रा एक छक्का लगाकर दिखा दीजिए? या किसी सैनिक से यह उम्मीद करें कि अपनी पोजीशन लेकर एक गोली चलाकर दिखा दे। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह की मांगें कलाकारों की गरिमा के खिलाफ हैं। उनकी यह टिप्पणी उनके भीतर की उस ललक और इच्छा को दर्शाती है।

52वां ग्रीष्मकालीन टेबल टेनिस शिविर 7 मई से

इंदौर (ईएमएस)। इंदौर जिला टेबल टेनिस संगठन के तत्वावधान में 52वां ग्रीष्मकालीन टेबल टेनिस प्रशिक्षण शिविर 7 मई से शुरू होने जा रहा है। यह शिविर 31 मई तक चलेगा। इंदौर जिला टेबल टेनिस संगठन के सचिव नीलेश वेद ने जानकारी देते हुए बताया कि यह शिविर मुख्य रूप से अभय प्रशाल और नेहरू स्टेडियम पर एक साथ आयोजित किया जा रहा है। ग्रीष्मकालीन शिविर में अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के अनुभवी प्रशिक्षक बच्चों को टेबल टेनिस खेल की बारीकियों से अवगत कराएंगे। इस दौरान प्रमोद सोनी, संजय मिश्रा, प्रशांत व्यास, गगन चंद्रवत, नीलेश परदेशी एवं कलीम खान बच्चों को न केवल खेल की तकनीक सिखाएंगे, बल्कि उनकी फिटनेस पर भी विशेष ध्यान देंगे।

6 मई तक जमा करें प्रवेश प्रविष्टियां : शिविर में शामिल होने के इच्छुक खिलाड़ी अपनी प्रविष्टियां अभय प्रशाल अथवा नेहरू स्टेडियम में शाम 6:00 से 7:30 बजे के बीच 6 मई तक जमा कर सकते हैं। शिविर के समापन के पश्चात, 31 मई के बाद 4 जून से चुनिंदा बच्चों के लिए एक विशेष एडवांस कैंप का भी आयोजन किया जाएगा।

वैभव सूर्यवंशी ने ऑरेंज कैप अपने नाम की

मुम्बई (ईएमएस)। राजस्तान रॉयल्स की ओर से खेल रहे वैभव सूर्यवंशी का सबसे अधिक रनों के लिए वॉली ऑरेंज कैप पर कब्जा हो गया है। वैभव ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में अपनी 43 रनों की पारी के साथ ही 400 रन बनाकर ये कैप अपने नाम कर ली।

वैभ ने 9 मैचों में 50.00 के और 239.52 के स्ट्राइक रेट रहा से 400 रन बनाये हैं। वह इस प्रकार सत्र में 400 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। वहीं 380 रन बनाकर सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर हैं। अभिषेक के अब 8 मैचों में 54.28 के औसत 212.29 के स्ट्राइक रेट से 380 रन हैं। वहीं दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल 8 मैचों में 358 रन बनने के साथ ही तीसरे स्थान पर हैं। उनका औसत 51.14 का है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज विराट कोहली 8 मैचों में 58.50 के औसत से 351 रन बनाकर चौथे नंबर पर हैं। पंजाब के यशस्वी जायसवाल सूची में 11वें स्थान पर हैं। उन्होंने 9 मैचों में 43.71 के औसत से 306 रन बनाये हैं।

वैभव ने खेला धोनी का हेलीकॉप्टर शॉट सोशल मीडिया पर वायरल हुआ

नई दिल्ली (ईएमएस)। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे 15 साल के वैभव सूर्यवंशी अपने आक्रामक अंदाज के कारण छाये रहते हैं। वैभव ने अब पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में 16 गेंदों में ही 43 रन बना दिये। वैभव ने अपनी इस पारी में 5 छक्के और तीन चौके लगाये। इस दौरान उन्होंने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का हेलीकॉप्टर शॉट भी खेला जो सोशल मीडिया में छाया रहा। वैभव ने ये शॉट पंजाब के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की गेंद पर लगाया। उनके इस शॉट का वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है।

वैभव ने इस मैच में एक नहीं, बल्कि दो बार शानदार हेलीकॉप्टर शॉट लगाये पर अर्शदीप की गेंद पर खेला गया उनका शॉट छाया रहा। पारी के दूसरे ओवर की चौथी गेंद पर कीवी गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन ने उनकी ओर एक फुल लेंथ गेंद फेंकी जिसपर वैभव ने जबरदस्त शॉट लगाया।

43 रन की पारी खेलकर वैभव एक बार फिर ऑरेंज कैप की दौड़ में नंबर एक स्थान पर पहुंच गये हैं। 9 मुकाबलों में 400 रन हो गए हैं। इस प्रकार वह सत्र में 400 रन तक पहुंचने वाले वैभव पहले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर 8 मैचों में 380 रन बनाकर अभिषेक शर्मा है जबकि केएल राहुल 358 रन और विराट कोहली 351 रन के साथ तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। हेनरिक क्लासेन 8 मैचों में 349 रन के साथ 5वें स्थान पर मौजूद हैं।

यशस्वी रॉयल्स की ओर से सबसे अधिक अर्धशतक लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने

न्यू चंडीगढ़ (ईएमएस)। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के सलामी बल्लेबाज यशस्वी आईपीएल में सबसे अधिक अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गये हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ यहां हुए मुकाबले में यशस्वी ने 51 रन बनाते ही ये उपलब्धि अपने नाम की। अब उनके नाम 20 अर्धशतक हो गये हैं और वह रॉयल्स की ओर से सबसे अधिक अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं पहले नंबर पर संयुक्त रुप से जोस बटलर और संजू सैमसन हैं। दोनो ने ही 25-25 अर्धशतक लगाये हैं। बटलर ने ये अर्घशतक 82 पारियों जबकि सैमसन ने 144 पारियों में लगाये हैं।

वहीं तीसरे नंबर पर अजिंक्य रहाणे हैं। रहाणे ने 93 पारियों में 19 अर्धशतक लगाए हैं जबकि शेन वॉटसन ने 76 पारियों में 16 अर्धशतक लगाये हैं।

इस मुकाबले में पंजाब किंग्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 222 रन बनाए। मार्कस स्टोइनिस ने 22 गेंदों में तेजी से 62 रन बनाकर टीम को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। वहीं प्रभसिमरन सिंह ने 59 रन बनाए। इनके अलावा, कूपर कोनोली और कप्तान श्रेयस अय्यर ने 30-30 रन बनाये। राजस्थान ने हालांकि ये लक्ष्य चार विकेट खोकर हासिल कर लिया।

इलेक्ट्रानिक सिगरेट का सेवन करते दिखे रियान पराग

मुल्लांपुर (ईएमएस)। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में विवादों में आ गये हैं। पराग को टीम ड्रेसिंग रूम में इलेक्ट्रानिक सिगरेट (वेप) का सेवन करते हुए देखा गया। इसका विडियो भी सामने आया है जिसके बाद पराग की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। ये मामला दूसरी री के 16वें ओवर का है। इस मामले में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पराग को सजा भी दे सकती है। बोर्ड नियमों के अनुसार ये नियमों का उल्लंघन है। वैप सेवन आईपीएल के खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए बने आचार संहिता के नियम का उल्लंघन हैं। इसके लिए मैच रेफरी उन्हें आधिकारिक चेतावनी दे सकते हैं, इसके साथ ही मैच फीस का कुछ हिस्सा काट सकते हैं, इसके अलावा उन्हें निलंबित भी किया जा सकता है। यह मामला रॉयल्स की जीत के बाद सामने आया।

फटाफट खबरें

विश्व शांति के लिए उज्जैन में हुआ शिवशक्ति महायज्ञ, 1108 बार गूंजी हनुमान चालीसा

उज्जैन, ईएमएस। धार्मिक नगरी उज्जैन में विश्व शांति और मानव कल्याण की कामना के साथ शिवशक्ति महायज्ञ एवं संगीतमय 1108 हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ श्रद्धापूर्वक संपन्न हुआ। विश्व में जारी युद्ध की विभीषिका और पीड़ित मानवता की रक्षा के उद्देश्य से आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर शांति की प्रार्थना की।

चामुंडा माता मंदिर के सामने स्थित पशुपतिनाथ मंदिर परिसर में यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक यज्ञ और पाठ के रूप में चला। इसके पश्चात दोपहर 3:30 बजे से हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ का शुभारंभ हुआ। इस दौरान पूरा परिसर भक्तिमय हो गया और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। संतों का मिला सान्निध्य और जनप्रतिनिधियों का सहयोग आयोजन में श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी शांतिस्वरूपानंद गिरी महाराज एवं आचार्य पूज्य श्री अखिलेश महाराज का पावन आशीर्वचन प्राप्त हुआ। इस वृहद आयोजन को श्री नारायण यादव दादा दयालु, क्षेत्रीय सांसद श्री अनिल फिरोजिया और विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा का विशेष संरक्षण एवं सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम संयोजक दीपक बेलानी, रेखा चंदेल एवं अक्षता यादव के साथ ही आयोजन समिति के सदस्य रवीना चौहान, मयूरी जैन, श्वेता चौहान, भारती वर्मा, ज्योति स्वामी, राजेश्वरी मीणा, हेमा यादव, दिव्या राठौर, सुकृति व्यास, स्वाति फटाले, शोभा यादव, मीता दीदी, संजू यादव, गीता यादव, पिंकी यादव, नमिता वर्मा और श्रवण सिंह दरबार के नेतृत्व में यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समिति ने आयोजन में शामिल होकर धर्म लाभ लेने वाले सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

आज मजरुह सुलतानपुरी और आनंद बक्षी के अमर गीतों से सजेगी शाम

उज्जैन, ईएमएस। गुरुवार को शाम 7 बजे कालिदास अकादमी के अभिरंग नाट्य गृह में स्वरांजली गीत-संगीत कला संस्थान द्वारा मजरूह सुल्तानपुरी और आनंद बक्षी के गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम का निर्देशन अध्यक्ष राजेश जोशी और परिकल्पना नितिन पोल की है। कार्यक्रम के रेडियो पार्टनर रेडियो दस्तक है। मजरूह सुल्तानपुरी और आनंद बक्षी के सदाबहार और अमर गीतों को आवाज देंगे।

कलश यात्रा के साथ राधाकृष्ण मंदिर में पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव शुरू

कतिया समाज सेवा समिति द्वारा आयोजित पांच दिवसीय महोत्सव में 3 मई तक होंगे विविध अनुष्ठान, पहले दिन महामंडलेश्वर ने दिए प्रवचन

उज्जैन, ईएमएस। कतिया बाखल स्थित लगभग 200 वर्ष प्राचीन श्री राधाकृष्ण मंदिर के भव्य जीर्णोद्धार के बाद बुधवार को पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का उल्लास के साथ शुभारंभ हुआ। कतिया समाज सेवा समिति द्वारा आयोजित इस महोत्सव के पहले दिन सुबह रामघाट से मंदिर तक भव्य जलयात्रा और कलश यात्रा निकाली गई। इस दौरान मातृशक्ति लाल और पीली चुनरी पहनकर शामिल हुईं।

शाम को पंचायती श्री निरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी भागवतनंद गिरि महाराज के मुखारविंद से भक्तिमय भजन और आध्यात्मिक प्रवचन हुए, जिसका समाजजनों ने भावपूर्ण श्रवण किया। समिति के अनुसार यह धार्मिक आयोजन 3 मई तक चलेगा और महोत्सव के दौरान भोजन प्रसादी की व्यवस्था माधव सेवा न्यास भारत माता मंदिर स्थित भोजन शाला में रहेगी। समिति सदस्य मितेश नागमोतिया ने बताया कि महोत्सव के आगामी कार्यक्रमों के तहत 30 अप्रैल गुरुवार को सुबह नित्य पूजन, अग्नि स्थापना व अन्नाधिवास होगा, वहीं शाम 7 बजे से संत समागम और सामाजिक वरिष्ठजनों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इसके अगले दिन 1 मई शुक्रवार को सुबह घृताधिवास एवं संस्कृत में सत्यनारायण कथा का मूल पाठ होगा और शाम 7 बजे से इंदौर की सुप्रसिद्ध गायिका जिया परमार की सुमधुर भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में 2 मई शनिवार को नित्य पूजन, शर्कराधिवास व फलाधिवास के पश्चात शाम 5 बजे से भगवान की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा मंदिर से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर पहुंचेगी। महोत्सव का समापन 3 मई रविवार को नारद जयंती के पावन अवसर पर होगा। इस दिन सुबह हवन और अनुष्ठान के बाद सिंह स्थिर लग्न में भगवान की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इसके पश्चात पूर्णाहूति, महाआरती और महाप्रसादी के साथ पांच दिवसीय भव्य आयोजन संपन्न होगा।इस वृहद आयोजन को सफल बनाने में कतिया समाज सेवा समिति के अध्यक्ष फतेहचंद बाघेला पप्पू भैया, उपाध्यक्ष मांगीलाल चंवरासिया, सचिव घनश्याम नागमोतिया, सह सचिव विजय सिंह नागमोतिया, कोषाध्यक्ष बाबुलाल अट्नेरिया सहित सदस्य ओमप्रकाश धर्मपुरिया, नंदकिशोर मालापुरी, सुरेन्द्र सिसोदिया, उमेश अट्नेरिया, संतोष चंवरासिया, घनश्याम चंवरासिया, ओमप्रकाश बड़गोतिया, जगदीश रवि गुजरिया और मितेश नागमोतिया सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। आयोजक समिति ने शहर के सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने का आग्रह किया है।

राष्ट्रीय गुरु आस्था परिवार के मीडिया संयोजक व प्रवक्ता बने सचिन कासलीवाल

उज्जैन, ईएमएस। मीडिया, सामाजिक कार्यों और जनसंपर्क के क्षेत्र में सक्रिय सचिन कासलीवाल को प्रतिष्ठित संगठन राष्ट्रीय गुरु आस्था परिवार में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन द्वारा उन्हें राष्ट्रीय मीडिया संयोजक और राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोनीत किया गया है। उनकी इस उपलब्धि पर उज्जैन सिटी प्रेस क्लब द्वारा उनका सम्मान किया गया।

सिटी प्रेस क्लब अध्यक्ष शैलेन्द्र कुलमी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में पत्रकार साथियों ने सचिन कासलीवाल का माल्यार्पण कर एवं अंगवस्त्र ओढ़ाकर अभिनंदन किया। उपस्थित पत्रकारों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और विश्वास जताया कि वे संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। इस अवसर पर सचिन कासलीवाल ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए गर्व के साथ-साथ एक चुनौती भी है। वे पूरी निष्ठा से संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। सम्मान समारोह में पत्रकार मयूर अग्रवाल, धर्मेंद्र राठौर, जितेंद्र राठौर, राज जोशी, संदीप मालवी, निलेश मालवी, असलम खान, शकील खान और अशोक महावर सहित कई पत्रकार मौजूद रहे।

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के प्रदेश अध्यक्ष चौकसे का हुआ भव्य स्वागत

उज्जैन, ईएमएस। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के प्रदेश अध्यक्ष श्री आशुतोष चौकसे जी के उज्जैन आगमन पर छात्र नेता पियूष चौधरी के नेतृत्व में अपने निज निवास पर महाकाल बाबा का स्मृति चिन्ह भेंट कर पुष्प मालाओं से भव्य स्वागत किया गया साथ में पधारे मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष अभिषेक परमार, का भी स्वागत किया गया इस अवसर पर भा.रा.छात्र.स.के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ विजय बोडाना,भा. रा. छा. स. जिला अध्यक्ष हिमांशु शर्मा, प्रदेश महासचिव हिमांशु शुक्ल, इंदिरा नगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आनंद मीणा, जिला ग्रामीण कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष डॉक्टर चैन सिंह चौधरी, मयंक राजपूत, तरुण परिहार, अमन सोनी ,महेंद्र चौधरी, शेर खान ,कुलदीप सुरावत ,हर्ष बना ,चेतन चौधरी ,लक्ष्य भाटी ,अमन धनगर ,रोहित लश्करी ,रुद्राक्ष साध ,देवराज चौधरी ,कल्पित शर्मा,बंटी राठौर,पीयूष राठौर ,राहुल डाबी,राजू बना,भारत चौहान ,रेहान , मनोज बैरागी,गोलू चौधरी ,भैयू भाई ,हर्ष चतुर्वेदी,आशु सोलंकी,अंकित चौधरी , आदि ने स्वागत किया उपरोक्त जानकारी मीडिया प्रभारी डॉ अर्जुन शर्मा ने दी।

'आज की सुरक्षा, कल का सुरक्षित भविष्य' संकल्प के साथ विद्यार्थियों ने ली सुरक्षा शपथ

उज्जैन, ईएमएस। संयुक्त राष्ट्र के संपोषणीय विकास लक्ष्यों को दृष्टिगत रखते हुए सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन के पं. जवाहरलाल नेहरू व्यवसाय प्रबंधन संस्थान में एमबीए विद्यार्थियों के लिए कार्यस्थल सुरक्षा पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम विश्व सुरक्षा एवं स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया, जिसमें जेएनआईबीएम के एमबीए स्टूडेंट्स ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के दौरान श्रमिकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों तथा दुर्घटना रोकथाम के उपायों के प्रति जागरूक किया गया। विशेषज्ञों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सुरक्षित कार्यस्थल किसी भी संस्थान के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। कुलगुरु प्रो. डॉ. अर्पण भारद्वाज ने अपने सारगर्भित शुभकामना संदेश में आधुनिक तकनीकों के माध्यम से सुरक्षा को बढ़ावा देने पर बल दिया, जबकि संकायाध्यक्ष एवं निदेशक प्रो. डॉ. धर्मेन्द्र मेहता ने सुरक्षा को एक आवश्यक संस्कृति के रूप में अपनाने की बात कही। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने कार्यस्थल पर सुरक्षा बनाए रखने की शपथ ली तथा व्याख्यान और चर्चा के माध्यम से विषय की गहन समझ विकसित की गई। यह दिवस 'दिवस मृत और घायल श्रमिकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्मरण दिवस' से भी जुड़ा है, जिसे 1996 से ट्रेड यूनियनों द्वारा मनाया जा रहा है। इसका इतिहास कार्यस्थल की स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए किए गए लंबे प्रयासों को दर्शाता है—विशेष रूप से औद्योगिक क्रांति के बाद, जब असुरक्षित कार्य स्थितियों के कारण सुधार हुए और आधुनिक व्यावसायिक सुरक्षा कानून बनाए गए।

बैरवा महासभा के 81वें स्थापना दिवस पर समाज को शिक्षित और संगठित होने का आह्वान

किशनपुरा स्थित बालाजी मंदिर प्रांगण में हुआ आयोजन

उज्जैन, ईएमएस। अखिल भारतीय बैरवा महासभा का 81वां स्थापना दिवस जिलाध्यक्ष सुरेंद्र मरमट के नेतृत्व में किशनपुरा स्थित बालाजी मंदिर प्रांगण में मनाया गया। कार्यक्रम प्रदेश अध्यक्ष राजेश जारवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर, महर्षि संत श्री बालीनाथ महाराज और महासभा के प्रथम संस्थापक अध्यक्ष स्व. मास्टर झुतालाल जारवाल को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनका पुण्य स्मरण किया गया। समारोह में पूर्व महापौर मदनलाल ललावत, पार्षद जितेंद्र कुवाल और जिलाध्यक्ष सुरेंद्र मरमट ने संस्थापक अध्यक्ष के सामाजिक योगदान पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने समाजजनों से शिक्षा और एकता के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष मरमट ने समाज के हर मोहल्ले में महासभा का विस्तार कर संगठन को मजबूत करने का संदेश दिया। इस दौरान भीषण गर्मी को देखते हुए पक्षियों के लिए सकोरे भी वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन जयप्रकाश जूनवाल ने किया। आभार कार्यवाहक अध्यक्ष कुलदीप बैंडवाल, महामंत्री राहुल अखण्ड और महेश गोठवाल ने माना। आयोजन में बाबूलाल गोठवाल, महंत दीपक गिरि, पूर्व पार्षद जितेंद्र तिलकर, रामसाही उस्ताद, राजकुमार केरोल, मनीष जाटवा, हरीश ललावत, नवीन डंढेरवाल, सुनील गोठवाल, मनोज नागवंशी, शीला मरमट, मनीष गोमे, अनिल धवन, लालचंद्र जाटवा, प्रिंस लोदवाल, रितेश खलीफा, शुभम अंजान, सुशील वाडिया, राजेश भारती, प्रदीप बैंडवाल, यश तिलकर, निखिल गोठवाल और गोपाल वाडिया सहित कई समाजजन उपस्थित थे।

आप पार्टी ने सांसद राघव चड्डा का पुतला जलाकर किया विरोध

उज्जैन, ईएमएस। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्डा सहित सात सांसदों ने अपनी मातृ पार्टी का दामन को छोड़कर भाजपा की सदस्यता लेने पर आप पार्टी की उज्जैन जिला इकाई ने राघव चड्डा का पुतला जला कर विरोध जताया।

पार्टी के शहर अध्यक्ष नरेंद्र सोलंकी के नेतृत्व में बुधवार को टॉवर चौराहे पर पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गद्दार सातों सांसदों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला जलाया । सोलंकी ने बताया कि राघव चड्डा ने कहा था मुझे कोई भी पार्टी नही खरीद सकती इस बात पर वह कायम नही रहे और जिस पार्टी ने उन्हें नेता बनाया जिस पार्टी में रहकर उसने नाम कमाया आम आदमी पार्टी से ही जनता उसे पसंद करती थी लेकिन गुंडा पार्टी में जाकर चड्डा ने अपना कैरियर में ही खत्म कर लिया है। भाजपा का अंतिम समय चल रहा देश की जनता ने भाजपा को नकार दिया है भाजपा में कोई चमत्कारी नेता नही बचा जो जनता तक अपनी बात पहुंचा सकें। देश जानता है कैसे ईडी ओर सीबीआई से डरा कर भाजपा ने आम आदमी पार्टी के सांसदों को भाजपा में मिलाया है। पुतला दहन के दौरान अभिषेक शर्मा प्रदेश संयुक्त सचिव ,महेश प्रसाद तिवारी जिला उपाध्यक्ष ,अनिल ठाकुर संगठन मंत्री , गौतम ,अंकित मालवीय जिला उपाध्यक्ष , मनन खोखर जिला उपाध्यक्ष ,विशाल ठाकुर जिला सचिव ,नंदकिशोर चौहान जिला संयुक्त सचिव, दीपक बिजौरे झोन मीडिया प्रभारी ,निवेदिता गंभीर मेडम, कुदीप चौधरी ओर राजकुमार तलवाडिया सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निशांत यादव एवं रोहित मित्तल मंडल ने सेवा भाव के साथ किया अध्यक्ष का सम्मान

उज्जैन, ईएमएस। रिंग रोड स्थित तिलकेश्वर गौशाला में नवनियुक्त विकास प्राधिकरण अध्यक्ष डॉ. रवि सोलंकी के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद डॉ. सोलंकी ने मंगलवार शाम पदभार ग्रहण किया और अगले ही दिन गौ माता की सेवा कर अपने कार्य की शुरुआत की। उन्होंने गौ माता को चना खिलाकर आशीर्वाद लिया तथा गौ सेवा का संदेश दिया। इस अवसर पर निशांत यादव एवं रोहित मित्तल मंडल द्वारा डॉ. रवि सोलंकी का महाकाल का दुपट्टा पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बड़े भाई एवं समाजसेवी नारायण यादव उपस्थित थे। आयोजन के दौरान आतिशबाजी, ढोल-नगाड़ों और जयकारों के साथ उपस्थितजनों ने नवनीत अध्यक्ष को शुभकामनाएं दीं। रोहित मित्तल ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा उज्जैन विकास प्राधिकरण जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी एक समाजसेवी व्यक्तित्व को सौंपना सराहनीय कदम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. रवि सोलंकी के नेतृत्व में उज्जैन के विकास कार्यों को नई दिशा मिलेगी। साथ ही समाज सेवा की भावना से प्रेरित होकर उनका स्वागत किया गया है और आगे भी सभी मिलकर संगठन को मजबूत बनाने का कार्य करेंगे। नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. रवि सोलंकी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एक छोटे से कार्यकर्ता को इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि वे पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ कार्य करेंगे तथा उज्जैन के विकास के लिए समर्पित रहेंगे। उन्होंने कहा कि गौ सेवा कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत सराहनीय है और उन्हें भी सेवा का अवसर मिला। डॉ. सोलंकी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वयं भी अपने दिन की शुरुआत गौ सेवा से करते हैं। हमने भी उनकी प्रेरणा से अपने कार्य की शुरुआत गौ माता की सेवा कर की है। सनातन परंपरा में गौ सेवा को विशेष महत्व दिया गया है और इसी संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर अभय यादव, मुन्ना सरकार, समाजसेवी निशान यादव, निलेश यादव (कालू यादव), अशोक जैन, राजेश मेवाड़े (कालू माली), विकास यादवरवि दरब, जय किशन खत्री, हरीश, पंकज धनोतिया मुकुल आदि लोग उपस्थित थे।

श्री वल्लभ वैष्णव युवा मंडल के चुनाव निर्विरोध संपन्न, नितिन नीमा बने अध्यक्ष

उज्जैन, ईएमएस। श्री वल्लभ वैष्णव युवा मंडल की नई कार्यकारिणी के चुनाव सामाजिक न्याय परिसर में निर्विरोध संपन्न हुए। मंडल के संस्थापक विट्ठल नागर के नेतृत्व में आयोजित बोर्ड मीटिंग में सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन किया गया, जिसमें नितिन नीमा को अध्यक्ष चुना गया। मीडिया प्रभारी दीपक राजवानी ने बताया कि नवगठित कार्यकारिणी में अमर दीसावल को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। उपाध्यक्ष पद का दायित्व अखिलेश नीमा, अमीष नीमा और मनीष सामसिया को सौंपा गया है। इसके साथ ही राहुल नागर सचिव, नितेश नागर सह सचिव, आभास शर्मा कोषाध्यक्ष और रवि राणा सह कोषाध्यक्ष चुने गए हैं। अन्य दायित्वों में आयुष नागर को जन्मदिन समिति, रत्नेश नीमा को विवाह दिन समिति और सौरभ नागर को रजिस्ट्रेशन का प्रभार सौंपा गया है। इस अवसर पर आनंद पुरोहित, जयेश श्रॉफ, विशाल नीमा, हेतल शाह, अमित नागर और नूपुर नीमा सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। नई कार्यकारिणी के निर्विरोध निर्वाचन पर समस्त मंडल सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी।

पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने 1 मई को राजधानी में हल्ला बोल, संभागभर से जायेंगे कलमकार

उज्जैन, ईएमएस। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ 1 मई अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर प्रदेश में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू किए जाने की मांग को लेकर भोपाल में प्रांतव्यापी प्रदर्शन करने जा रहा है। न्यू मार्केट स्थित समन्वय भवन में 1 मई को दोपहर 11: 30 बजे आरम्भ होने वाली रैली में मध्यप्रदेश के सभी जिलों से हजारों श्रमजीवी पत्रकार शामिल होंगे। इस प्रांत व्यापी रैली वह प्रदर्शन में उज्जैन संभाग के सभी जिलों से सैकड़ो पत्रकार राजधानी भोपाल के लिए कूच करेंगे। श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष डॉ. राहुल कटारिया एवं महासचिव डॉ. घनश्याम शर्मा के अनुसार संघ के आह्वान पर इस बार प्रदेश भर के कलमकार आर- पार की लड़ाई के मूड में नजर आ रहे हैं। पत्रकार सुरक्षा कानून को लेकर सरकारों द्वारा घोषणाएं व वादे तो कर दिए जाते हैं लेकिन जमीनी स्तर पर इसे लागू करने में हर बार विलंब होता है। ऐसे में संघ के प्रांत अध्यक्ष शलभ भदौरिया जी के नेतृत्व में प्रदेश भर के पत्रकार भोपाल में जूटेंगे और अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

उज्जैन जिले के सभी ब्लॉकों के पत्रकार माधव नगर रेलवे स्टेशन मार्ग नीलगंगा स्थित जिला कार्यालय पर सुबह 7 बजे एकत्रित होंगे और यहां से कारों में भोपाल के लिए रवाना। रैली समिति के संयोजक रिजवान अहमद सिद्दीकी, सह संयोजक एवं प्रदेश महासचिव सुनील त्रिपाठी प्रदेश उपाध्यक्ष दिलीपसिंह भदौरिया सदस्यता समिति के संयोजक सरलप्रताप सिंह भदौरिया, प्रदेश कोषाध्यक्ष शिशुपाल सिंह तोमर आदी ने पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग पर एक जुट होकर रैली में शामिल होने की अपील की है । महासचिव सुनील त्रिपाठी के अनुसार रैली में मध्यप्रदेश विधान सभा अध्यक्ष नरेंद्रसिंह तोमर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री गोविंदसिंह राजपूत सहित कई सम्माननीय मंत्रियों नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार को आमंत्रित किया है । शलभ भदौरिया के अनुसार रैली के पूर्व हम सभी पत्रकार साथी समन्वय भवन में एकत्रित होंगे ।जिसमें यथा संभव सबसे विचार विमर्श होगा तत्पश्चात ठीक एक बजे सभी साथी अपने अपने जिलों के बैनर लिए न्यू मार्केट की मुख्य सड़क से होते हुए टीटी नगर थाने के सामने से होते हुए रंगमहल चौराहे से रोशन पूरा चौराहे पहुंच कर धरना देंगे।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं संपादक सुनील वर्मा के लिए 1/4, परदेशीपुरा इन्दौर से प्रकाशित एवं दैनिक भास्कर प्रेस 4/54 प्रेस कॉम्प्लेस एबी रोड इंदौर मध्यप्रदेश इन्दौर से मुद्रित.
कार्पोरेट कार्यालय : 301, अरु प्लाजा एमजी रोड इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com